दैनिक

साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 226 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, गुरुवार 03 सितंबर, 2026 www.sakarbharat.com

Vastu Guruji

वास्तु हेतु संपर्क करें...

मो.नं. 9074110000 9770888888

SHORT NEWS

21 सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 76.93 करोड़ रूपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के जल संसाधन विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों में सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 21 सिंचाई योजनाओं के लिए 76 करोड़ 93 लाख 85 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि का उपयोग जलाशयों के जीर्णोद्धार, नहरों की सीसी लाइनिंग, एनीकट निर्माण और बाढ़ नियंत्रण कार्यों में किया जाएगा।

जिलावार स्वीकृत प्रमुख कार्य और आवंटन

कांकेर जिला के कोयलीबेड़ा ब्लॉक के लघु जलाशय पी.व्ही. 114 के जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग 2.72 करोड़ रूपए से 28.4 हेक्टेयर, पी.व्ही. 36 जलाशय 4.96 करोड़ रूपए से 400.2 हेक्टेयर और पानीडोबरी एनीकट-कम-काजवे 3.41 करोड़ रूपए से 60 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा मिलेगी।

आकस्मिक मृत्यु हो जाने के कारण 4 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत

रायपुर। राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड-6 क्रमांक 4 परिशिष्ट 'एक' प्राकृतिक आपदा से होने वाली क्षति के लिए शासन द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता अनुदान के लिए निर्धारित मापदंडों तथा दरों के तहत चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि की स्वीकृति दी गई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार सक्ती जिले के तहसील बाराद्वार अंतर्गत ग्राम आमादहरा निवासी मृतक स्व. श्री गुरुवार प्रसाद पटेल को जहरीले सर्प काटने के कारण मृत्यु होने से निकटतम वारिस मृतक के पत्नि उर्मिला बाई पटेल पति गुरुवार प्रसाद पटेल को राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत चार लाख रूपये भुगतान किए जाने की स्वीकृति निर्धारित शर्तों के अधीन प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री साय की पहल से नवा रायपुर में खुलेगा प्रतिष्ठित NMIMS, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ लगाएगा नई छलांग

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को उच्च शिक्षा, कौशल और ज्ञान के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई। देश के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल नरसी मोंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज अब नवा रायपुर अटल नगर में अपना कैंपस स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में आज संस्थान की स्थापना के लिए लीज अनुबंध की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही भूमि की रजिस्ट्री भी पूर्ण कर ली गई। इसके साथ ही नवा रायपुर में **NMIMS** की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक उच्च शिक्षा के लिए बड़े महानगरों की ओर न जाना पड़े तथा उन्हें अपने ही प्रदेश में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के समान अवसर मिलें, इस दिशा में राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। **NMIMS** की स्थापना इसी संकल्प की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर प्रदेश की युवा शक्ति को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, आवास एवं पर्यावरण सचिव अंकित आनंद तथा नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदन कुमार उपस्थित थे।

40 एकड़ में विकसित होगा अत्याधुनिक कैंपस

नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-18 में लगभग 40 एकड़ भूमि पर **NMIMS** का आधुनिक कैंपस विकसित किया जाएगा। संस्थान का संचालन करने वाले श्री विले पार्ले केलवणी मंडल को यह भूमि 90 वर्षों की लीज पर प्रदान की गई है। राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा 21 जनवरी 2026 को संस्थान के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई थी। इसके बाद आवश्यक प्रक्रियाओं को तेजी से आगे बढ़ाते हुए आज लीज अनुबंध और भूमि रजिस्ट्री की महत्वपूर्ण प्रक्रिया पूरी कर ली गई। संस्थान की स्थापना की संपूर्ण प्रक्रिया आगामी सात वर्षों में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि प्रदेश के विद्यार्थियों को इसका लाभ इससे पहले ही मिलने लगेगा। दो से तीन वर्षों के भीतर पहला शैक्षणिक बैच प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है। संस्थान के पूर्ण रूप से विकसित होने पर यहां लगभग 10 हजार विद्यार्थी अध्ययन कर सकेंगे।

NMIMS जैसे प्रतिष्ठित संस्थान की स्थापना से छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाओं का विस्तार होगा। प्रदेश के युवाओं को प्रबंधन, कौशल विकास तथा आधुनिक एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा अपने ही राज्य में प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध होंगे।

इससे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए देश के बड़े महानगरों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी। साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों से भी विद्यार्थी अध्ययन के लिए छत्तीसगढ़ आएंगे। इससे नवा रायपुर में विविधतापूर्ण और समृद्ध शैक्षणिक वातावरण विकसित होगा। **NMIMS** की स्थापना का प्रभाव केवल उच्च शिक्षा तक सीमित नहीं रहेगा। संस्थान के माध्यम से प्रदेश में कौशल विकास, रोजगार, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में भी नए अवसर विकसित होंगे। विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं और उद्योग जगत के बीच बेहतर समन्वय से उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष मानव संसाधन तैयार करने में मदद मिलेगी।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप की पत्रवार्ता

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता, संसदीय कार्य मंत्रीकेदार कश्यप विभागीय गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर आज छत्तीसगढ संवाद के आडिटोरियम (नवा रायपुर,अटल नगर) में प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार 'हरित छत्तीसगढ़, समृद्ध छत्तीसगढ़' के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए वन संरक्षण का अर्थ केवल वनों की सुरक्षा नहीं है। वनों के संरक्षण के साथ वनवासियों की समृद्धि, जनजातीय संस्कृति का संरक्षण, किसानों की आय में वृद्धि, महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार, वन्यजीव

संरक्षण तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से बेहतर वन प्रबंधन हमारी प्राथमिकताओं का हिस्सा हैं।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि हमारी सरकार ने वृक्षारोपण को किसानों की आय से भी जोड़ा है। किसान वृक्ष मित्र योजना में पात्र नागरिकों को 5 एकड़ तक 100 प्रतिशत वित्तीय अनुदान तथा 5 एकड़ से अधिक क्षेत्र में 50 प्रतिशत वित्तीय अनुदान दिया जाता है। पिछले दो वर्षों में 36 हजार 896 हितग्राहियों की 62 हजार 441 एकड़ कृषि भूमि में 3.675 करोड़ से अधिक पौधों का रोपण किया गया है।

छत्तीसगढ़ में जंगल और जंगल पर निर्भर समुदाय एक-दूसरे से अलग नहीं है, इसलिए हमारी सरकार ने वन संरक्षण के साथ-साथ वनोपज संग्राहकों की आय और उनकेपरिवारों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। छत्तीसगढ़ में तेंपदूत्ता संग्रहण दर 5,500 प्रति मानक बोरा है, जो देश में सर्वाधिक है। वर्ष 2025 में 11.44 लाख परिवारों द्वारा 13.85 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण किया गया और 757 करोड़ का ऑनलाइन भुगतान किया गया। 7.14 लाख संग्राहकों को 153 करोड़ प्रोत्साहन पारिश्रमिक का भुगतान किया गया। 12.40 लाख महिला संग्राहकों को चरण पादुका वितरित की गई तथा वर्ष 2026 में 12.38 लाख पुरुष संग्राहकों को चरण पादुका का वितरण प्रस्तावित है। कश्यप ने बताया कि समर्थन मूल्य पर 36 हजार 580 क्विंटल वनोपज की खरीदी की गई, जिसमें संग्राहकों को राशि 16.66 करोड़ रूपए का आनलाईन भुगतान तथा 13 हजार से अधिक संग्राहक परिवारों को लाभ पहुंचा गया है।

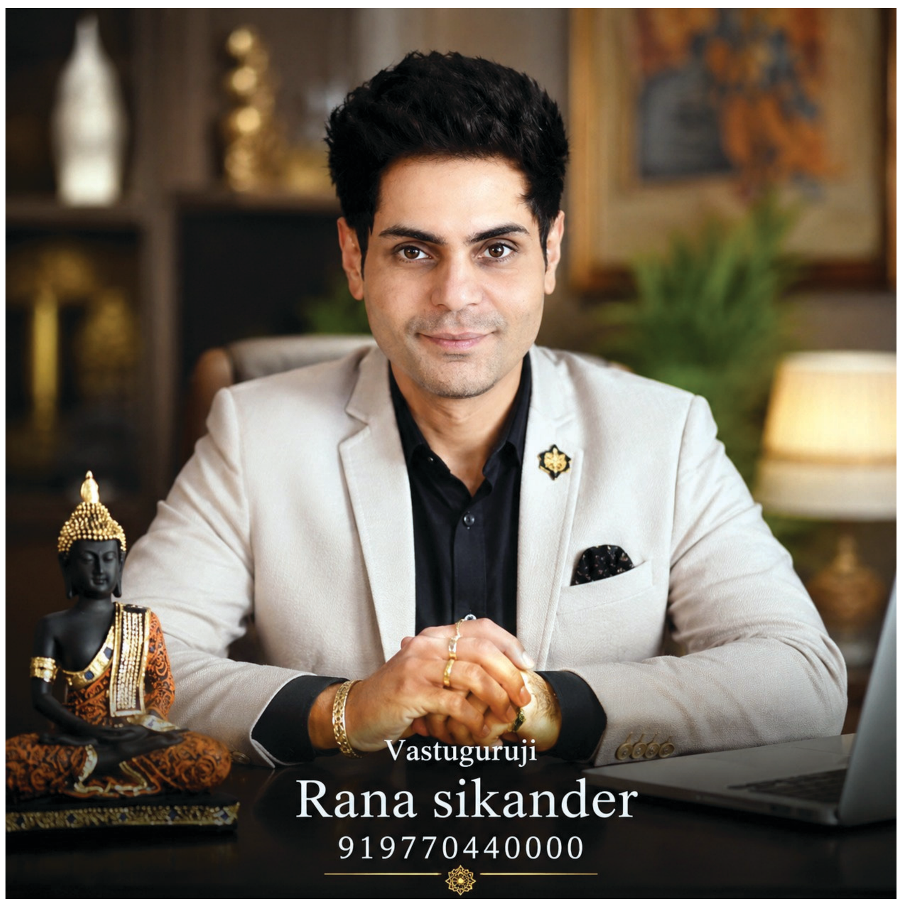

राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का किया आत्मीय स्वागत

रायपुर । उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन के छत्तीसगढ़ आगमन पर राज्यपाल रमेन डेका, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में उनका आत्मीय स्वागत किया।

उपराष्ट्रपति का स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री श्री दयालदास बघेल, वाणिज्य

एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, वाणिज्यिक कर (आबकारी) श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास, उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा, राज्य सभा सदस्य लक्ष्मी वर्मा ने आत्मीय स्वागत की। इसी प्रकार कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, विधायक पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, सुनील सोनी, श्री मोती लाल साहू और जनप्रतिनिधि अशोक बजाज और मुख्य सचिव विकासशील, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, जनप्रतिनिधियों ने उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन का स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में आत्मीय स्वागत किया।

मारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम पर होगा 9वां राष्ट्रीय पोषण माह-2026

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बच्चों और माताओं के पोषण स्तर को बेहतर बनाने तथा समुदाय को पोषण संबंधी प्रयासों से जोड़ने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत 9वां राष्ट्रीय पोषण माह-2026 9 सितंबर से राज्यभर में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष अभियान की थीम 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' रखी गई है। अभियान का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण, स्वास्थ्य, देखभाल और प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास के प्रभावी केंद्र के रूप में विकसित करते हुए समुदाय की सक्रिय भागीदारी और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

राष्ट्रीय पोषण माह के माध्यम से यह संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा कि बच्चों का सुपोषण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि परिवार, समुदाय और समाज की साझा जिम्मेदारी है। अभियान के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

पोषण माह के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों में स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध और कम लागत वाली खाद्य सामग्री से पौष्टिक व्यंजन तैयार करने का जीवंत प्रदर्शन किया जाएगा। पोषण मेलों के माध्यम से मिलेट्स, मौसमी फल-सब्जियों, दालों, दुग्ध उत्पादों, मेवों और विभिन्न प्रकार के बीजों जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों की उपयोगिता बताई जाएगी।

संसदीय स्थायी समिति के अध्ययन दौरे पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अहमदाबाद के वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का किया निरीक्षण

रायपुर। शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के गुजरात अध्ययन दौरे के तहत सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अहमदाबाद स्थित विश्वस्तरीय वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की तैयारियों, खेल सुविधाओं के विस्तार तथा स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की सहभागिता पर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली।

लगभग 21 एकड़ में ?825 करोड़ की लागत से विकसित यह आधुनिक परिसर अत्याधुनिक एक्वेटिक्स सेंटर, इंडोर मल्टी-

स्पोर्ट्स एरिना, आउटडोर जोन और 'फिट इंडिया' जोन जैसी विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस है।

जब सरकार, समाज और निजी क्षेत्र मिलकर खेलों में निवेश करते हैं, तो केवल स्टेडियम नहीं बनते बल्कि देश के लिए नए चैंपियन तैयार होते हैं। यह परिसर राष्ट्रमंडल खेल 2030 और 2036 ओलंपिक मेजबानी के लिए भारत के संकल्प को सशक्त आधार प्रदान करेगा। खेल का मैदान जितना मजबूत होगा, भारत के पदकों का भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा।

विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता और विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाना सर्वोच्च प्राथमिकता : राज्यपाल रमेन डेका

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज प्रदेश के विभिन्न शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों की बैठक लेकर विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों की संख्या, रिक्त पदों की पूर्ति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन तथा नवाचार एवं स्टार्टअप गतिविधियों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत समीक्षा की।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में सीटों के अनुपात में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली और इस दिशा में प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में जहां भी

व्यवस्थागत कमियां हैं, उन्हें दूर किया जाए तथा शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया जाए। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए सभी विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल श्री डेका ने विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों की जानकारी लेते हुए उन्हें शीघ्र भरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया में नियमानुसार स्थानीय योग्य एवं प्रतिभाशाली

ट्रैक्टर को ओवरटेक करने के चक्कर में पुलिया के डिवाइडर से टकराया छोटा हाथी, 13 मजदूर घायल

धमतरी। मंगलवार सुबह मजदूरों को लेकर आलेखुंटा जा रहा एक छोटा हाथी वाहन ट्रैक्टर को ओवरटेक करने के चक्कर में कातलबोड़ के पास पुलिया के डिवाइडर से जा टकराई।

हादसे में महिला-पुरुष सहित 13 मजदूर घायल हो गए। इनमें चार महिलाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल चारों महिलाओं को धमतरी रेफर किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 1 सितंबर की सुबह करीब साढ़े 7 बजे अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम सिवनीखुर्द से 12 महिला और 5 पुरुष समेत कुल 17 मजदूर खेती कार्य के लिए पिकअप क्रमांक सीजी 04 क्यूजी 4898 में सवार होकर आलेखुंटा के लिए रवाना हुए थे। कातलबोड़ के पास पहुंचने पर चालक ने आगे चल रहे ट्रैक्टर को

ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर पुलिया के डिवाइडर से जा टकराया। दुर्घटना में सिवनीखुर्द निवासी ज्योति कंवर, पूर्णिमा पटेल, कुंती पटेल और दिनेश्वरी को छाती एवं सिर में गंभीर चोटें आई। इसके अलावा जामुन साहू (30), सोमनी पटेल (35), रेवती ध्रुव (48), अशोक कुमार, शेषनारायण साहू, परमानंद ध्रुव (40), पुनुराम पटेल और पिकअप चालक हेमराज अंसारी सहित अन्य मजदूर घायल हुए।

हादसे की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम में तैनात आरक्षक रेखराम बंजारे और चालक मेघराज साहू घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल सिविल अस्पताल कुरूद पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चार गंभीर रूप से घायल महिलाओं को बेहतर उपचार के लिए धमतरी रेफर किया गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ईद मिलादुन्नबी पर बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के लिए युवाओं ने पुलिस का जताया आभार

बलौदाबाजार। ईद मिलादुन्नबी पर्व के दौरान शहर में चाक-चौबंद सुरक्षा, सुगम यातायात और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुस्लिम समाज के युवाओं ने बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस का आभार जताया। मंगलवार को पार्षद सलमान शेख, मुस्लिम यंग कमेटी अध्यक्ष आदिल, जुनैद खान एवं इमरान खान के नेतृत्व में युवा प्रतिनिधिमंडल ने जिला पुलिस कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक गौरव राय से सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने पर्व के दौरान पुलिस द्वारा किए गए सुरक्षा प्रबंध, लगातार गश्त और यातायात व्यवस्था की सराहना करते हुए एसपी गौरव राय को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। युवाओं ने कहा कि पुलिस की सतर्कता और मुस्तैदी के चलते शहर में ईद मिलादुन्नबी का पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि पुलिस और आम नागरिकों के आपसी सहयोग से जिले में सभी धार्मिक पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जा रहे हैं। इस अवसर पर समाज के इमरान खान,नासिर खान,मोहसिन चौहान, रज़ा खान,जुनैद खान,अरबाज खान,जुनैद खान,बाबा खान,अमान खान,शाहनवाज खान,साहिल खान,शाहरुख खान,अरशद खान,तन्नी खान,अरशद खान, इरफान चौहान एवं समस्त युवा शामिल हुवे इस अवसर पर एसपी गौरव राय ने प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस आम नागरिकों की सुरक्षा और जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी भी धार्मिक पर्व या सार्वजनिक आयोजन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में आम जनता और युवाओं की सहभागिता महत्वपूर्ण है। पुलिस और नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय से ही सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण कायम रखा जा सकता है।

स्व. सावित्री देवी साहू के दशगात्र एवं गंगा पूजा में शामिल हुए खुज्जी विधायक भोलाराम साहू

छुरिया। ग्राम मातेखेड़ा (गैंदाटोला) निवासी नोहर लाल साहू की धर्मपत्नी एवं ओम प्रकाश साहू की माताजी स्वर्गीय सावित्री देवी साहू के दशगात्र एवं गंगा पूजा कार्यक्रम में खुज्जी विधायक भोलाराम साहू शामिल हुए। विधायक भोलाराम साहू ने स्वर्गीय सावित्री देवी साहू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवार से मुलाकात की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा दुःख की इस घड़ी में परिवारजनों को संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुमर्दा अध्यक्ष प्रताप धावड़े, अकील भाई मेमन छुरिया, राजेश साहू, राजील कुरेशी, सूरज साहू, सुशील, राजकुमार, सुषमा, मनेश्वरी साहू, सरिता, मदनलाल, शिवबालक, खोजू, विश्राम।

प्रतियोगिताओं से आगे बढ़कर अब राष्ट्रीय मंचों की पहचान बनीं मिताली दासगुप्ता

चाम्पा। कला के क्षेत्र में छोटी उम्र से शुरू हुई साधना जब जुनून, अनुशासन और निरंतर मेहनत से जुड़ती है, तो वह प्रतिभा को एक अलग मुकाम तक पहुंचाती है। ऐसी ही बहुमुखी प्रतिभा की पहचान हैं मिताली दासगुप्ता, जिन्होंने पिछले 16 वर्षों से भारतीय शास्त्रीय नृत्य, विशेषकर भरतनाट्यम, को अपनी साधना का केंद्र बनाकर देश-विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। मिताली ने अपने नृत्य सफर में देश के लगभग हर प्रमुख राज्य में विभिन्न राष्ट्रीय एवं प्रतिष्ठित सांस्कृतिक मंचों पर प्रस्तुतियां दी हैं। हजारों मंचीय प्रस्तुतियों के साथ उन्हें विभिन्न राज्यों और संस्थाओं द्वारा अनेक राष्ट्रीय एवं विशेष सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। उनकी उपलब्धियों में उनके नृत्य समूह द्वारा 72 घंटे तक लगातार नृत्य कर विश्व रिकॉर्ड बनाने की उपलब्धि भी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मिताली की कला यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव यह है कि कभी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा सिद्ध करने वाली मिताली आज प्रतियोगिताओं से आगे बढ़कर राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक समारोहों और फेस्टिवल में विशेष आमंत्रित कलाकार के रूप में प्रस्तुति दे रही हैं।

उनकी निरंतर साधना, मंचीय अनुभव और उपलब्धियों ने उन्हें उस मुकाम तक पहुंचाया है जहां वे केवल प्रतियोगिता में भाग लेने वाली कलाकार नहीं, बल्कि विशेष प्रस्तुतियों के लिए आमंत्रित की जाने वाली परिपक्व कलाकार के रूप में पहचान बना चुकी हैं।

कला के साथ विज्ञान की पढ़ाई भी

मिताली की विशेषता केवल उनकी नृत्य प्रतिभा तक सीमित नहीं है। वे कला के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा को भी पूरी गंभीरता से आगे बढ़ा रही हैं। वर्तमान में वे फॉरेंसिक साइंस में बीएससी की पढ़ाई कर रही हैं। इसके साथ ही इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ से क्लासिकल डांस—भरतनाट्यम में भी अध्ययन कर रही हैं। इस तरह एक ओर वे विज्ञान जैसे विषय में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर भारतीय शास्त्रीय नृत्य की गहन परंपरा और तकनीक को भी निरंतर आत्मसात कर रही हैं।

महंगी बिजली, स्मार्ट मीटर और महंगाई को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

कोरबा। जिला कांग्रेस कार्यालय टीपी नगर में मंगलवार को कांग्रेस की ओर से प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, पूर्व मंत्री नोवेल वर्मा सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश में बढ़ती महंगाई, बिजली की दरों और स्मार्ट मीटर लगाए जाने को लेकर राज्य सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए।

प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद कई उपभोक्ताओं के बिजली बिल में बढ़ोतरी हुई है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ रहा है। उन्होंने स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर रोक लगाने तथा मीटरों की कार्यप्रणाली और अधिक बिलिंग की शिकायतों की पारदर्शी जांच कराने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में 400 यूनिट तक बिजली खपत पर हाफ बिजली बिल योजना लागू थी। उन्होंने वर्तमान सरकार से इस योजना को पुनः लागू करने की मांग की। साथ ही बिजली दरों में हुई बढ़ोतरी पर पुनर्विचार करने की मांग भी रखी।

प्रेस वार्ता में कांग्रेस ने बिजली के साथ-साथ आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों और किसानों को खाद की उपलब्धता का मुद्दा भी उठाया। पार्टी नेताओं ने कहा कि महंगाई से आम लोगों की परेशानी बढ़ रही है और सरकार को इन समस्याओं पर प्रभावी कदम उठाने चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि बिजली दरों में वृद्धि वापस लेने, स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर रोक लगाने और हाफ बिजली बिल योजना बहाल करने की दिशा में सरकार ने कदम नहीं उठाए, तो पार्टी प्रदेशभर में आंदोलन करेगी।

बेमेतरा में बिजली व्यवस्था को बड़ी मजबूती, 19 करोड़ की लागत से बना 132/33 केवी उपकेंद्र शुरू

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने प्रदेश की पारेषण व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। बेमेतरा जिले के बेतर (दाढ़ी) में नवनिर्मित 132/33 केवी उपकेंद्र का आज प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने ऊर्जीकरण किया। उपकेंद्र में स्थापित 40-40 एमवीए क्षमता के दो पावर ट्रांसफार्मरों को भी सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया। दोनों ट्रांसफार्मरों के ऊर्जीकरण से उपकेंद्र में कुल 80 एमवीए की ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी उपलब्ध हुई है।

नए उपकेंद्र के निर्माण से बेमेतरा जिले के 72 तथा कवर्धा के 25 गांवों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। बढ़ती विद्युत मांग के अनुरूप विद्युत भार का बेहतर प्रबंधन संभव होगा तथा क्षेत्र में घरेलू, कृषि एवं अन्य उपभोक्ताओं को अधिक विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। नए उपकेंद्र की कुल परियोजना लागत लगभग 19 करोड़ रुपये है। इस उपकेंद्र को विद्युत आपूर्ति से जोड़ने के लिए 220 केवी उपकेंद्र गेन्दपुर से 132 केवी उपकेंद्र जाने वाली पारेषण लाइन को किया गया है। इसके लिए लगभग 8.8 करोड़ रुपये की लागत से 5 किलोमीटर नई पारेषण लाइन का निर्माण किया गया। इस व्यवस्था से नए उपकेंद्र को पारेषण नेटवर्क से जोड़ा गया है, जिससे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता एवं पारेषण क्षमता में वृद्धि होगी।

प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने उपकेंद्र के ऊर्जीकरण पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए पारेषण नेटवर्क का लगातार विस्तार किया जा रहा है। नए उपकेंद्रों एवं पारेषण लाइनों के निर्माण से न केवल वर्तमान विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति में सुविधा होगी, बल्कि भविष्य में बढ़ने वाले विद्युत भार के लिए भी आवश्यक अधोसंरचना तैयार होगी। उन्होंने कहा कि बेमेतरा जिले में स्थापित यह नया उपकेंद्र क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सक्षम एवं विश्वसनीय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अवकाश अस्वीकृत होने के बावजूद विदेश यात्रा, राजस्व निरीक्षक निलंबित

कोरबा। अवकाश आवेदन अस्वीकृत होने के बावजूद बिना सक्षम अनुमति के लगातार अनुपस्थित रहने और इस अवधि में विदेश यात्रा करने के मामले में कलेक्टर कुणाल दुदावत ने राजस्व निरीक्षक मंडल दीपका, तहसील दीपका में पदस्थ राजस्व निरीक्षक नीलकांत यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार नीलकांत यादव 21 जुलाई से 4 अगस्त 2026 तक बिना सक्षम अनुमति के कर्तव्य से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे। इसी अवधि में उनके द्वारा बिना अनुमति विदेश यात्रा किए जाने की बात भी सामने आई। मामले में कलेक्टर कार्यालय की ओर से 11 अगस्त को उन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया।

डोंगरगढ़ के सार्वजनिक गोविंदा उत्सव की पानी टंकी रहस्यमय तरीके से गायब! वार्डवासियों में भारी आक्रोश

डोंगरगढ़। सिविल लाइन ठेठवार पारा॰ पिछले कई वर्षों से सार्वजनिक गोविंदा उत्सव में उपयोग की जाने वाली बड़ी काली पानी की टंकी अचानक गायब हो गई है। इस टंकी को वार्ड के अलग-अलग आयोजनों, गर्मियों में पानी की व्यवस्था और गोविंदा उत्सव के दौरान मटकी फोड़ के लिए उपयोग किया जाता था। स्थानीय वार्डवासियों का कहना है कि यह टंकी पिछले कई वर्षों से वार्ड की सार्वजनिक संपत्ति के रूप में विभिन्न स्थानों पर देखी जाती थी। लेकिन पिछले कुछ माह से इसका कोई अता-पता नहीं है। ये टंकी किसी एक व्यक्ति की नहीं, पूरे वार्ड की है। नगर पालिका से लाई गई थी। आखिर अचानक कहाँ चली गई? क्या इसे किसी ने निजी उपयोग के लिए गायब कर दिया? इस घटना के बाद वार्ड में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। लोगों का कहना है कि जब मैदान में मलबा पड़ा रहने पर इतना हंगामा हो रहा है, तो सार्वजनिक संपत्ति की टंकी गायब होने पर आयोजक समिति चुप क्यों है?

वार्डवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि इस टंकी की जांच कराई जाए कि सार्वजनिक संपत्ति आखिर गई तो गई कहाँ?

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश, सितंबर तक शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने पर जोर

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने मंगलवार को कलेक्टेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक लेकर जिले में संचालित स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतर प्रगति लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने 'हमर स्वस्थ छत्तीसगढ़' योजना के तहत किए जा रहे स्वास्थ्य परीक्षण में सितंबर माह तक शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने को कहा। उन्होंने टीबी, कुष्ठ, मलेरिया, सिकल सेल सहित विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों की नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के निर्देश दिए। बीएमओ एवं बीसीएम को घर-घर जाकर रैंडम स्वास्थ्य जांच करने तथा रोगों की पहचान होने पर आवश्यक उपचार सुनिश्चित करने को कहा।

मीजल्स-रूबेला टीकाकरण की धीमी प्रगति पर नाराजगी

बैठक में मीजल्स-रूबेला टीकाकरण की प्रगति अपेक्षित नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमित टीकाकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और सभी पात्र बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने अस्पतालों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उप स्वास्थ्य केंद्रों एवं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों को निर्धारित समय पर खोलने और मरीजों को नियमित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र समय पर नहीं खुलने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आयुष्मान कार्ड बनाने अभियान चलाने के निर्देश कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड एवं संबंधित योजनाओं की समीक्षा करते हुए पात्र एवं छूटे हुए हितग्राहियों के कार्ड बनाने में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह 1 से 5 तारीख के बीच खाद्य विभाग से 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों की सूची प्राप्त कर मितानिनों के सहयोग से आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य अभियान के रूप में किया जाए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत लंबित पदों की भर्ती प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी करने को कहा।

उन्होंने जन्म-मृत्यु संबंधी जानकारी के आधार पर स्वास्थ्य योजनाओं के डाटा को नियमित रूप से अपडेट करने तथा मृत्यु हो चुके हितग्राहियों के नाम नियमानुसार अभिलेखों से हटाने के निर्देश दिए। आभा आईडी एवं पीवीसी कार्ड वितरण की भी समीक्षा की और सितंबर माह में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने को कहा।

टीबी, डेंगू और स्वाइन फ्लू पर विशेष निगरानी टीबी कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने वल्नरेबल जनसंख्या की स्क्रीनिंग पर विशेष ध्यान देने को कहा।

पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने छात्रों की समस्याएं सुनीं, शीघ्र निराकरण का दिया आश्वासन

भाटापारा। शासकीय जी.एन.ए. स्नातकोत्तर महाविद्यालय मे छात्र, पंचम सेमेस्टर में प्रवेश प्रक्रिया एवं परीक्षा परिणाम से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर मंगलवार को विद्यार्थियों द्वारा छात्र आंदोलन किया गया। आंदोलन में 300 से अधिक विद्यार्थियों ने उपस्थित होकर अपनी समस्याओं और मांगों को प्रमुखता से उठाया। विद्यार्थियों का कहना है कि वर्तमान में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एटीकेटी क्रेडिट सिस्टम , प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा परिणाम, आंतरिक परीक्षा में अनुपस्थिति दर्शाए जाने, कम अंक एवं मूल्यांकन संबंधी समस्याओं से परेशान हैं।

पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने सुनी विद्यार्थियों की समस्याएं छात्र आंदोलन के दौरान क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ जनप्रतिनिधि शिवरतन शर्मा महाविद्यालय पहुंचे और विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। विद्यार्थियों ने उनके समक्ष TKT, Credit Point, Admission Process सहित परीक्षा एवं परिणाम से जुड़ी अपनी परेशानियां रखीं। शिवरतन शर्मा जी ने विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उचित माध्यम से संबंधित अधिकारियों के समक्ष विषय रखने एवं जल्द निराकरण के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया

आंदोलन के दौरान जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्रेणिक गोलछा ने भी विद्यार्थियों के हित में सक्रिय पहल करते हुए, प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री से संवाद कर विद्यार्थियों की समस्याओं से अवगत कराया तथा इनके शीघ्र निराकरण के लिए आवश्यक चर्चा की।

प्रमुख मांगें

ATKT प्राप्त विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम की निष्पक्ष समीक्षा की जाए।

. Credit Point °ß´ ATKT से संबंधित नियमों को स्पष्ट रूप से विद्यार्थियों को समझाया जाए।

पात्र विद्यार्थियों के पंचम सेमेस्टर प्रवेश की प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए।

. परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को गलत तरीके से Absent दर्शाए जाने के मामलों की जांच की जाए।

जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता मिरी की कार हुई दुर्घटनाग्रस्त

जांजगीर-चांपा । रायपुर से जांजगीर लौट रही जांजगीर-चांपा जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता मिरी की कार मंगलवार को सिमगा के पास नेशनल हाईवे पर अचानक हादसे का शिकार हो गई। सड़क पर अचानक दौड़ती हुई गाय के आ जाने से कार की गाय से टक्कर हो गई, जिसके बाद वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में कार सवार सभी लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार घटना मंगलवार सुबह करीब 11:45 बजे की है। जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता मिरी अपने पति आनंद मिरी और चालक के साथ रायपुर से जांजगीर कार क्रमांक सीजी 04 क्यू 8506 से लौट रही थीं। इसी दौरान सिमगा के पास नेशनल हाईवे पर अचानक एक गाय सड़क पार करते हुए कार के सामने आ गई। चालक द्वारा संभालने का प्रयास किए जाने के बावजूद कार गाय से टकरा गई और हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना से कार क्षतिग्रस्त हो गई है। हादसे के बाद मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। राहत की बात यह रही कि कार में सवार इंजी. सत्यलता मिरी, उनके पति आनंद मिरी और चालक तीनों सुरक्षित हैं। दुर्घटना के बाद गाय भी कुछ देर पश्चात उठकर वहां से चली गई। घटना ने एक बार फिर नेशनल हाईवे पर आवारा मवेशियों के कारण उत्पन्न होने वाले सड़क हादसों के खतरे को सामने ला दिया है। अचानक सड़क पर आ जाने वाले मवेशी तेज रफ्तार वाहनों के लिए गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। ऐसे में हाईवे पर मवेशियों की रोकथाम और सड़क सुरक्षा को लेकर प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

अवकाश अस्वीकृत होने के बावजूद विदेश यात्रा, राजस्व निरीक्षक निलंबित

कोरबा । अवकाश आवेदन अस्वीकृत होने के बावजूद बिना सक्षम अनुमति के लगातार अनुपस्थित रहने और इस अवधि में विदेश यात्रा करने के मामले में कलेक्टर कुणाल दुदावत ने राजस्व निरीक्षक मंडल दीपका, तहसील दीपका में पदस्थ राजस्व निरीक्षक नीलकांत यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार नीलकांत यादव 21 जुलाई से 4 अगस्त 2026 तक बिना सक्षम अनुमति के कर्तव्य से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे। इसी अवधि में उनके द्वारा बिना अनुमति विदेश यात्रा किए जाने की बात भी सामने आई। मामले में कलेक्टर कार्यालय की ओर से 11 अगस्त को उन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था।

निलंबन आदेश में उनके कृत्य को पदीय कर्तव्यों के प्रति प्रमाद एवं अनुशासनहीनता मानते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 एवं नियम-7 के उल्लंघन का उल्लेख किया गया है। कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम-9 के तहत निलंबन की कार्रवाई की है। निलंबन अवधि में नीलकांत यादव का मुख्यालय कार्यालय कलेक्टर, भू-अभिलेख शाखा, जिला कोरबा निर्धारित किया गया है।

कलेक्टर नम्रता जैन ने दिए सरकार की योजनाओं को समय पर पूरा करने अधिकारियों को सख्त निर्देश

नारायणपुर । जिला कार्यालय के सभा कक्ष में कलेक्टर नम्रता जैन की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, शासकीय योजनाओं की प्रगति और निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम जनता से जुड़े आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए और किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। बैठक में सबसे पहले सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। कलेक्टर नम्रता जैन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करते हुए आवेदनों की स्थिति को नियमित रूप से अपडेट किया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। कलेक्टर ने जिले के आश्रम एवं छात्रावासों की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने निरीक्षण के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिले के कन्या आश्रमों में सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही आश्रमों में बच्चों को उपलब्ध कराई जाने वाली दैनिक उपयोग की सामग्रियों की सूची भी प्रस्तुत करने को कहा गया। आश्रम छात्रावासों के लिए बिस्तर एवं मच्छरदानी की खरीदी के संबंध में कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि समिति का प्रतिवेदन अनिवार्य रूप से लिया जाए। उन्होंने कहा कि जिन कार्यालयों द्वारा सामग्री की खरीदी की जानी है, वे सामग्री की खरीदी जेम पोर्टल के माध्यम से ही सुनिश्चित करें। आश्रम छात्रावासों में फर्नीचर एवं अन्य विविध सामग्री का वितरण नोडल अधिकारी के माध्यम से करने के निर्देश भी दिए गए। आश्रम छात्रावासों में स्वीकृत शौचालय निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि ग्राम पंचायत को निर्माण एजेंसी बनाए जाने के बाद कार्यों की नियमित निगरानी आवश्यक है। यदि संबंधित ग्राम पंचायत निर्माण एजेंसी के रूप में कार्य करने में सक्षम नहीं है या निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ रहा है।

जनदर्शन में आज कुल 45 आवेदन हुए प्राप्त

जांजगीर-चांपा । कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरणों का समय-सीमा में प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आज जनदर्शन में कुल 45 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में आज तहसील जांजगीर के ग्राम सिवनी (नैला) निवासी श्री शिवलाल धीवर द्वारा वृद्धा पेंशन के संबंध में, जांजगीर के इंदिरा नगर निवासी श्रीमती उमरी देवी द्वारा महतारी वंदन योजना एवं राशन कार्ड से संबंध में, विकासखण्ड बम्हनीडीह के ग्राम परसापली निवासी श्रीमती लखेश्वरी सूर्यवंशी द्वारा राशनकार्ड के संबंध में, जनपद पंचायत बलौदा के ग्राम बुड़गहन निवासी बोधराम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में, तहसील सारागांव अंतगर्त ग्राम अमरूवा निवासी भरतलाल बरेठ द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण हटाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया।

मेजर ध्यानचंद को किया गया याद, विद्यार्थियों को खेलों के प्रति किया गया प्रेरित

डोंगरगढ़। पीएम सेजेस डोंगरगढ़ में आज 29 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विविध खेल गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान महान हॉकी खिलाड़ी एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धापूर्वक याद किया गया तथा उनके खेल जीवन और देश के लिए किए गए योगदान को विद्यार्थियों के समक्ष रखा गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राणा अजय सिंह, मंगल सिंह एवं बाबूराव जनबंधु उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को खेलों के महत्व, अनुशासन, मेहनत एवं निरंतर अभ्यास के बारे में मार्गदर्शन देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन मती पूर्णिमा साहू, प्रभारी प्राचार्य, के मार्गदर्शन में किया गया। वहीं राज कुमार नंदेश्वर, स्पोर्ट्स ऑफिसर, पीएम सेजेस डोंगरगढ़ ने खेल गतिविधियों के आयोजन एवं संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में अशोक साहू, फरहा अंजुम एवं डॉ. निरंजन ठाकुर सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति उत्साह का संचार किया। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ

शिक्षकों ने पेश की मिसाल: प्राथमिक शाला को भेंट किया 20 हजार का प्रिंटर और यूपीएस

बालोद । डौंडीलोहारा ब्लाक के शासकीय प्राथमिक शाला रानीतराई(कि.)में पदस्थ शिक्षकों ने मानवीयता और कर्तव्यनिष्ठा की अनोखी मिसाल पेश की है। शाला में प्रिंटर नहीं होने से हो रही दिक्कतों को देखते हुए प्रधान पाठक सहित सभी शिक्षकों ने अपने वेतन से राशि इकट्ठा कर स्कूल को नया प्रिंटर और यूपीएस दान किया।

दान की गई सामग्री की कुल कीमत लगभग बीस हजार की है।

जानकारी के अनुसार शासकीय प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक निर्मल दुबे, सहायक शिक्षक अमित प्रजापति, देवानंद तारेन्द्र एवं पुष्पा तूरकाने ने यह नेक पहल की है। सहायक शिक्षक अमित प्रजापति ने कहा, बच्चों के लिखित आकलन, नवोदय परीक्षा टेस्ट, टीसी, मार्कशीट और शासन को भेजी जाने वाली जानकारी के लिए हमें दूसरे स्कूल या गांव जाना पड़ता था। इससे हमें और ग्रामीण पालकों को परेशानी होती थी। इसलिए हमने तय किया कि हम खुद ही इसकी व्यवस्था करेंगे।जिस पर सभी शिक्षकों के सहयोग से सामाग्री क्रय की गई.

नशामुक्ति और पोषण का संदेश लेकर युवाओं ने लिया स्वस्थ एवं जिम्मेदार जीवन का संकल्प

धमतरी । युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा पोषण के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आज स्वर्गीय छोटेलाल श्रीवास्तव स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्रीय संचार ब्यूरो, रायपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान' एवं 'राष्ट्रीय पोषण माह' के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में चित्र प्रदर्शनी, रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को नशामुक्ति, पोषण, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सर्वा ने चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार पाठक ने की।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सर्वा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा अवस्था जीवन की दिशा और भविष्य के निर्माण का महत्वपूर्ण पड़ाव है। युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर अपनी ऊर्जा, क्षमता और प्रतिभा का उपयोग शिक्षा, कौशल विकास, खेल, नवाचार तथा समाज एवं राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश की युवा शक्ति स्वस्थ, शिक्षित, अनुशासित और जिम्मेदार होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ अपने आसपास के लोगों को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने नशामुक्त समाज के निर्माण में महिलाओं और युवतियों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए सकारात्मक सामाजिक वातावरण तैयार करने में सक्रिय सहभागिता की अपील की।

6 करोड़ का उच्च स्तरीय पुलमय पहुंच मार्ग निर्माण अपूर्ण, बनीं ग्रामीणों की मुसीबत

साजा । जिला प्रशासन की समय सीमा और समीक्षा बैठकों के दावों की पोल खोलता एक नया मामला बेमेतरा जिले के साजा विधानसभा अंतर्गत सामने आया है। जहां करूआ नाला पर उच्च स्तरीय पुल और पहुँच मार्ग का निर्माण किया जा रहा हैं। 10 माह में मई माह को पूर्ण हो जाना था, लेकिन अब तक 14 माह बीतने को हैं। मगर पुल निर्माण कार्य अब तक अपूर्ण हैं।

पदुमसरा के करूआ नाला पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण

बेमेतरा जिले के साजा विधानसभा अंतर्गत ग्राम पदुमसरा में पदमी-पदुमसरा मार्ग पर करूआ नाला पर बन रहा उच्च स्तरीय पुल और पहुँच मार्ग का निर्माण किया जा रहा हैं। जिसके निर्माण के लिए शासन द्वारा 586.45 लाख की स्वीकृति दिनांक 29.09.2023 को की गई थी। जिसके निर्माण कार्य के लिए ठेकेदार को कार्यादेश 09/07/2025 को जारी कर 10 माह का समय सीमा निर्धारित किया गया था। मगर अब 14 महीने बीत जाने के बाद भी पूरा नहीं हो सका है, जबकि इसे पूर्ण करने की समय सीमा केवल 10 माह निर्धारित की गई थी।

योजना और वित्तीय स्थिति

प्रशासनिक स्वीकृति = 586.45 लाख (दिनांक 29.09.2023)

ठेके की राशि : 4,37,42,745

कार्यादेश एवं अनुबंध समय कार्यादेश 09/07/2025 को जारी किया गया था और अनुबंध के अनुसार कार्य पूरा करने की अवधि 10 माह तय की गई थी।

जिलें में कार्यालय व अधिकारी लापता

जिले में सेतु निर्माण विभाग का न तो कोई स्थाई कार्यालय है और न ही जिम्मेदार अधिकारी बेमेतरा में बैठते हैं। जानकारी के अनुसार विभाग का डिवीजन ऑफिस दुर्ग एवं सब डिविजन ऑफिस कवर्धा से संचालित होती हैं। विभागीय अनदेखी के कारण ठेकेदार द्वारा कार्य में घोर लापरवाही बरती जा रही है, जिससे शासन की मंशा और जन-सुविधा के उद्देश्यों को झटका लग रहा है।

परियोजना का तकनीकी विवरण

पुल की लंबाई : 90.00 मीटर (03 नग लगातार 02 स्पॉन ञ्च 30.00 मीटर प्रत्येक)

पहुँच मार्ग की लंबाई = पदमी की ओर 235.00 मीटर एवं पदुमसरा की ओर 66.50 मीटर

संरचना विवरण : 05 पियर, 03 स्लैब और 02 अबटमेन्ट

सामान कीचड़ व पानी में पड़े हो रहें खराब इस पुल निर्माण कार्य के लिए ठेकेदार द्वारा लाए गए सामान छड़ आदि ऐसे ही खुले, कीचड़ व पानी में पड़े हुए हैं जो खराब हो रहे हैं और इसी खराब समानों का उपयोग इस पुल निर्माण कार्य में किया जाएगा। जिससे निर्माण कार्य में गुणवत्ता को देखने वाला कोई नहीं हैं।

जन्माष्टमी एवं गणेशोत्सव को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा कलेक्टर-एसपी की उपस्थिति में फ्लैग मार्च

धमतरी। गणेशोत्सव को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने तथा जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से आज जिला मुख्यालय धमतरी एवं आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में कलेक्टर अबिनास मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया।

फ्लैग मार्च के माध्यम से जिला प्रशासन एवं पुलिस ने आमजन को सुरक्षा का भरोसा तथा असामाजिक तत्वों को कानून का सख्ती से पालन करने का स्पष्ट संदेश दिया।

फ्लैग मार्च गांधी मैदान धमतरी से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख चौराहों एवं बाजार क्षेत्रों से होते हुए लक्ष्मी निवास, अंबेडकर चौक, रत्नाबांधा, मकई चौक, सदर बाजार सहित भीड़-भाड़ वाले एवं संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए विंध्यवासिनी मंदिर के सामने से सिहावा चौक ,अर्जुनी चौक, भखारा रोड बाईपास होते हुए मुजगहन,लोहरसी होते रत्नाबांधा रोड में सम्पन्न हुआ।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्रों एवं संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि आगामी त्यौहारों के दौरान अड्डेबाजी, गुंडागर्दी, शराबखोरी, सार्वजनिक स्थानों पर उपद्रव, छेड़छाड़, मारपीट, हुड़दंग एवं अन्य असामाजिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों, उपद्रवी तत्वों एवं पूर्व में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय के निर्देश पर आगामी त्यौहारों को देखते हुए जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में नाकाबंदी, वाहन चेकिंग एवं संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की जा रही है।

बड़सरा में खुला नया धान उपार्जन केंद्र, किसानों की वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

भैयाथान । विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़सरा में नवीन धान उपार्जन केंद्र की स्वीकृति मिलने से क्षेत्र के किसानों में खुशी का माहौल है। शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 एवं आगामी वर्षों के लिए बड़सरा में धान खरीदी केंद्र खोलने की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। केंद्र आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित शिवप्रसादनगर के अंतर्गत संचालित होगा। नया केंद्र खुलने से बड़सरा, करौंदामुड़ा, बसकर, तथा सोनपुर का आश्रित ग्राम डबरीपारा के गांवों के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। इससे पहले किसानों को धान बेचने के लिए शिवप्रसादनगर जाना पड़ता था, जहां करीब आठ से दस पंचायतों के किसान उपज बेचने पहुंचते थे। अधिक संख्या में किसानों के पहुंचने से केंद्र में भीड़ के साथ-साथ समय और परिवहन खर्च की समस्या भी सामने आती थी।

किसानों की इस समस्या को लेकर भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील साहू द्वारा पिछले कई वर्षों से शासन-प्रशासन के समक्ष लगातार मांग रखी जाती रही। वहीं क्षेत्रीय किसानों की मांग को गंभीरता से लेते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भी शासन स्तर पर पहल करते हुए नवीन धान उपार्जन केंद्र की स्वीकृति के लिए प्रयास किया। अंततः शासन की स्वीकृति के बाद किसानों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हो गई।

नजदीक ही धान खरीदी केंद्र उपलब्ध होने से किसानों को परिवहन एवं ट्रैक्टर भाड़े में बचत के साथ समय और श्रम की भी बचत होगी। केंद्र की स्वीकृति पर बड़सरा सहित आसपास के ग्रामवासियों एवं किसानों ने मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील साहू के प्रति आभार व्यक्त किया है।

स्थल का किया गया निरीक्षण

ग्राम पंचायत बड़सरा में प्रस्तावित नवीन धान खरीदी केंद्र को लेकर स्थल निरीक्षण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित शिवप्रसादनगर के समिति प्रबंधक सोहराब अंसारी ने बड़सरा पहुंचकर धान खरीदी केंद्र के लिए निर्धारित स्थल का निरीक्षण किया।

जॉब हंटिंग' अपने आप में एक अहम जॉब है

तब हर दिन चमकीली धूप से भरा सर्दियों के दिन जैसा था, जिसमें कोई व्यक्ति अपना बेस्ट सूट या ड्रेस पहनकर दूसरों के सामने कैटवॉक करता है, ताकि उनके नोटिस में आ सके। मैं असली मौसम की बात नहीं कर रहा, बल्कि इस एहसास की तुलना कॉलेज स्टूडेंट्स के एक वॉट्सएप ग्रुप से कर रहा हूं। क्योंकि बीते चार वर्षों से यह ग्रुप हमेशा नाइट-आउट प्लान, डेटिंग एप के स्क्रीनशॉट्स, बातचीतों और उन तस्वीरों से भरा होता था कि कोई उस वीकेंड क्या पहनने की योजना बना रहा है।

फिर जब पासआउट होने की और कन्वोकेशन-डे की तस्वीरें पोस्ट होने लगीं तो मौसम बदल गया। स्क्रीन क्लाउडी नजर आने लगी, क्योंकि एम्प्लॉयर्स के रिजेक्शन लेटर अपना बदसूरत चेहरा दिखाने लगे थे। वे सभी एक ही लाइन से शुरू होते- 'डियर रमेश/सुरेश/महेश'।

बस आवेदक के अनुसार उसका नाम बदलता और बाकी लाइनें वही रहती थीं। अगली लाइन में होता था- 'आवेदन का समय निकालने के लिए धन्यवाद, लेकिन आवेदकों की भारी संख्या के कारण हम अभी आपको पर्सनलाइज्ड फीडबैक भी नहीं दे सकते। अन्य कॅरिअर अपॉर्च्युनिटीज के लिए हमारी वेबसाइट या जॉब साइट्स देखते रहें...।'

बीते 1 महीने में ग्रुप में उन लाइनों से आगे किसी ने पढ़ा ही नहीं। पिछले दो दिनों से तो कुछ लोग स्माइली भेजने लगे हैं, क्योंकि वे स्पष्ट जानते हैं कि कोई दूसरी सलाह तो डिप्रेसिंग ही होगी। उनके पास डिग्रियां हैं, कॉलेज के चार वर्षों के कई सर्टिफिकेट हैं, इंटर्नशिप लेटर हैं और कुछ के पास तो वर्क एक्सपीरियंस तक है। लेकिन जिस तक पहुंचाने के लिए ये सारे सर्टिफिकेट थे, वही एक चीज ज्यादातर के पास नहीं थी : एक जॉब। जॉब रिजेक्शन के झटके से उबरने के लिए कुछ स्ट्रेटजी यहां पेश हैं।

1. अपनी कीमत को किसी के फैसले से अलग रखें : रिजेक्शन किसी फर्म का बिजनेस डिसीजन था, यह आपकी ह्यूमन वैल्यू का प्रतिबिंब नहीं है।

2. ऐसे लेटर इनबॉक्स में आते ही खुद को वेंटिंग टाइम दें : अपसेट महसूस करने के लिए 15 मिनट का टाइमर लगाएं, किसी दोस्त से भड़ास निकालें या निराशा को लिखें, और फिर आगे बढ़ जाएं।

3. कनेक्ट बनाए रखें : भले ही उन्होंने विनम्रता से आपको फीडबैक न मांगने के लिए कहा हो, फिर भी विनम्रता से उन्हें समय देने के लिए धन्यवाद कहें और पूछें कि क्या कोई एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आप फिट हो सकते हैं। अपनी खूबियां बताएं। हो सकता है कि लगातार कोशिश आपको 'कन्विंसिंग संबंधी जॉब' तक पहुंचा दे।

4. जॉब हंटिंग नंबर गेम जैसा है : आपकी ओर से एप्लिकेशन पाइपलाइन इतनी व्यस्त होनी चाहिए कि एक रिजेक्शन आपको दुनिया का अंत न लगने लगे।

5. पॉजिटिव ग्रुप का हिस्सा बनें : रिजेक्शन समय के साथ आपका आत्मविश्वास गिराते हैं। अपने पैरेंट्स और करीबी लोगों को कहें कि वे पॉजिटिव तारीफ करके आपको सपोर्ट करें। हर दिन नए लोगों से मिलें और आपको उनकी ओर आकर्षित करने वाली खूबियों को तलाशें। संक्षेप में, ऑब्जर्वेशन स्किल विकसित करें।

6. एक्शन एंग्जायटी हटाता है : देखें कि आप कहां अटक रहे हैं। अगर आप आवेदन के तुरंत बाद रिजेक्ट हो रहे हैं तो रिज्यूमे ठीक करें। अगर इंटरव्यू के बाद रिजेक्ट हो रहे हैं तो स्पीकिंग स्किल पर काम करें।

7. कंप्लीट डिजिटल ब्रेक लें : लगातार आते नोटिफिकेशन आपके नर्वस सिस्टम को तनाव में रखते हैं। ईमेल चेक करने के लिए सख्ती से समय तय करें और लोगों से फेस-टु-फेस मिलकर नेटवर्किंग बनाएं।

जब आप मेंटर या पैरेंट्स की सुझाई ये और कुछ दूसरी स्ट्रेटजी अपनाएंगे तो आपकी सोशल लाइफ बदल जाएगी। आपकी प्राथमिकताएं और फोकस बदल जाएगा। और मोटिवेशन के लिए तो आप बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान का मशहूर डायलॉग याद कर सकते हैं- 'किसी चीज को शिद्दत से चाहो तो पूरी कायनात उसे तुमसे मिलाने की कोशिश में लग जाती है।'

फंडा यह है कि जब जॉब रिजेक्शन की बेरहम हकीकत आपसे आंखें मिलाए तो खुद से कहें कि आपके पास 'जॉब हंटिंग' का एक अहम जॉब है और उसी प्रोजेक्ट पर फोकस रखें। यकीन मानिए, 'शिद्दत' के साथ किया गया फोकस आपको आपके लक्ष्य के और करीब ले जाएगा।

सबकी नजरें एआई पर, लेकिन असली ताकत 'क्लाउड' के हाथों में है

हाल ही में जब गूगल (अल्फाबेट) ने अपने ताजा तिमाही नतीजे घोषित किए, तो निवेशकों को उसके नकारात्मक फ्री कैश फ्लो और डेटा सेंटरों पर बढ़ते खर्च को लेकर चिंता हुई। लेकिन गूगल-ओपनएआई या एन्थ्रोपिक जैसी कंपनी नहीं है, जो भारी खर्च करते हुए मुनाफे वाला बिजनेस मॉडल तलाश रही हो।

वह क्लाउड-कंप्यूटिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी है और दूसरी तिमाही में उसके क्लाउड डिवीजन के नतीजे असाधारण रहे हैं। गूगल क्लाउड का राजस्व साल-दर-साल 82 प्रतिशत बढ़ा है और अब यह गूगल सर्च से होने वाले राजस्व के 40 प्रतिशत के बराबर पहुंच गया है।

दो अन्य टेक दिग्गज-माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन भी इसी स्थिति में हैं। माइक्रोसॉफ्ट का क्लाउड कारोबार उसका सबसे तेजी से बढ़ने वाला डिवीजन है और रिकॉर्ड मुनाफा कमा रहा है। वहीं अमेजन वेब सर्विसेज की शुद्ध बिक्री साल-दर-साल 37 प्रतिशत बढ़ी है, जिसे कंपनी ने पिछली 18 तिमाहियों में सबसे तेज ग्रोथ बताया है। एआई इन क्लाउड दिग्गजों का ट्रोजन हॉर्स है। एआई को लेकर जितनी हाइप बनेगी, क्लाउड का इस्तेमाल उतना ही बढ़ेगा और इनका बिजनेस उतना ही फैलेगा।

क्लाउड पर मालिकाना हक होने के कारण इन कंपनियों के हाथों में पूरे डिजिटल ढांचे का नियंत्रण है। डेटा और सॉफ्टवेयर से लेकर सेमीकंडक्टर और अत्याधुनिक एआई मॉडल तक- सब कुछ क्लाउड के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है।

डिजिटल तकनीकों को विकसित करने या उन्हें लागू करने वालों के लिए क्लाउड एक अपरिहार्य सुपरमार्केट है। थर्ड पार्टीज़ भी अपनी डिजिटल तकनीकों को सेवाओं के रूप में उपलब्ध कराती हैं, जिससे क्लाउड की एक ही जगह हर चीज उपलब्ध कराने वाले केंद्र के रूप में उपयोगिता और बढ़ जाती है।नतीजतन, हजारों कंपनियों का एक विशाल नेटवर्क तैयार हो गया है- जिसमें एसएपी, ओरेकल और आईबीएम जैसे दूसरे दिग्गज भी शामिल हैं- जो अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्मों के जरिए अपनी तकनीकें उपलब्ध करा रही हैं।

इस तरह, क्लाउड वह जगह है, जहां अनेक कंपनियां मिलकर डिजिटल तकनीकों का निर्माण करती हैं, लेकिन उनका बड़ा लाभ कुछ गिनी-चुनी कंपनियों को ही मिलता है। क्लाउड पर नियंत्रण ने अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल को ओरेकल और एनवीडिया जैसी दूसरी विशाल टेक कंपनियों से भी अलग दर्जा दिया है।

ओरेकल या मेटा के विपरीत, क्लाउड दिग्गज डेटा सेंटरों में केवल एआई मॉडलों को प्रशिक्षित करने और उन्हें चलाने के लिए निवेश नहीं कर रहे हैं, बल्कि अधिक ग्राहकों को अपने मौजूदा इकोसिस्टम में लाने के लिए भी कर रहे हैं।

हर उद्योग की कंपनियां, सरकारें और यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय संगठन भी अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल से अपनी जरूरतों के मुताबिक तैयार की गई डिजिटल सेवाओं के विशाल पैकेज किराये पर लेते हैं। इनमें वर्चुअल सर्वरों पर स्टोरेज, कंटेंट डिलीवरी नेटवर्क, साइबर सुरक्षा सॉफ्टवेयर, यूजर ट्रैफिक को रूट करने की तकनीक और सैकड़ों अन्य सेवाएं शामिल हैं।

एआई मॉडलों के बीच जितनी प्रतिस्पर्धा होगी, क्लाउड दिग्गज उतने ही मजबूत होते जाएंगे। अधिक एआई मॉडल्स का मतलब है डिजिटल तकनीकों का अधिक विकास और उपयोग, और क्लाउड कारोबार का और विस्तार। ओपनएआई और एन्थ्रोपिक जैसी एआई लैब्स को अपना पूरा समय और ध्यान अधिक एडवांस्ड मॉडल जारी करने पर केंद्रित करना पड़ता है, जिससे वे और अधिक क्लाउड सेवाओं का इस्तेमाल करने लगती हैं। एआई का चाहे जो हो, क्लाउड दिग्गजों का नियंत्रण केवल बढ़ता जाएगा। (@ प्रोजेक्ट सिंडिकेट)

आत्मनिर्भरता का भ्रम हमें कभी-कभी असहाय बना देता है

'समाज अक्सर 'सेल्फ-मेड' या अकेले संघर्ष करने वाले व्यक्ति की छवि को बढ़ावा देता है, जो कि भ्रामक है।' ख्यात मनोवैज्ञानिक व लेखिका एंजेला डकवर्थ कहती हैं, 'अत्यंत सफल लोगों में यह आदत समान होती है- मदद मांगने की तत्परता। मेरा अनुभव भी यही कहता है। एक भयावह घटना के बाद मुझे समझ आ गया कि कभी-कभी जीवन का सबसे बड़ा पराक्रम अकेले लड़ना नहीं, बल्कि सही समय पर हाथ फैलाकर मदद मांगना होता है।' पढ़िए, एंजेला को क्या सबक मिला...

'एक दिन मैं मियामी के शांत नीले समंदर में अपनी 86 वर्षीय मां के साथ स्नोर्केलिंग कर रही थी। सब कुछ सामान्य लग रहा था, तभी अचानक तेज लहर हमें नाव से काफी दूर बहा ले गई। घबराहट में मां के फेफड़ों में पानी भर गया और वे बेहोश हो गईं। चारों ओर अथाह पानी था और मदद का कोई संकेत नहीं दिख रहा था।मैंने पूरी ताकत लगा दी। एक हाथ से मां को संभाला और दूसरे हाथ से तैरने की कोशिश करती रही, पर लहरों के सामने शक्ति कम पड़ रही थी। सांसें तेज हो रही थीं, फेफड़े जल रहे थे और शरीर जवाब देने लगा था।

तभी लगा कि अकेले संघर्ष करते रहना जानलेवा साबित हो सकता है। मैंने तुरंत तरीका बदला, मां का सिर पानी से ऊपर रखा और दूसरे हाथ से इशारा करते हुए पूरी ताकत से पुकारा, 'हेल्प...!' पुकार काम कर गई। बचावकर्मियों की टीम तुरंत पहुंच गई और हमें सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उस दिन मैंने समझा कि हर लड़ाई अकेले जीतने की कोशिश बहादुरी नहीं होती। कई बार बड़ा साहस सही वक्त पर मदद मांगने में होता है।

हम अक्सर सुनते हैं कि अपनी जंग खुद लड़ो व सफलता मेहनत से हासिल करो। 'सेल्फ-मेड' लोगों की कहानियां भी यही संदेश देती हैं कि कामयाब लोग किसी की मदद नहीं लेते। अत्यधिक सफल लोगों की स्टडी के बाद मैंने पाया कि सफलता के पीछे सिर्फ व्यक्तिगत मेहनत नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर दूसरों से मदद लेने की क्षमता भी अहम है। दुनिया के सबसे बड़े वेल्थ फंड के प्रमुख निकोलाई टैनगेन हों या मशहूर होस्ट कॉनन ओ'ब्रायन, दोनों खुलकर स्वीकार करते हैं कि उनकी सफलता अकेले की नहीं, बल्कि अनेक लोगों के सहयोग का नतीजा है। स्टार्टअप जगत की प्रतिष्ठित संस्था 'वाई कॉम्बिनेटर' भी अकेले फाउंडर्स के बजाय मजबूत टीमों को तरजीह देती है, क्योंकि मिलकर काम करने वाले लोग बेहतर फैसले लेते हैं। मनोविज्ञान इसे 'आत्मनिर्भरता का भ्रम' कहता है। हम अक्सर भूल जाते हैं कि हमारी सीख, मौके और उपलब्धियां दूसरों के सहयोग से ही संभव हुई हैं। मदद मांगना कमजोरी नहीं है। सच तो यह है कि ज्यादातर लोगों को किसी की मदद करके खुशी व संतोष मिलता है।

सच्ची समझदारी हर मुश्किल अकेले झेलने में नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर मदद मांगने में है। जब रास्ता न सूझे तो सवाल पूछें, काम उलझे तो साथियों को बताएं और संकट आए तो हाथ बढ़ाने से न हिचकें। उस हादसे के 5 साल बाद मां ने 91वां जन्मदिन मनाया। यह सबूत है कि जीवन की खूबसूरती अकेले चलने में नहीं, बल्कि अपनों का हाथ थामने में है।' -एंजेला

लक्ष्य जितना बड़ा होता है,पाना उतना ही मुश्किल होता है

हर आदमी,परिवार,समाज व देश का एक या कई लक्ष्य होते हैं।जिन्हें सभी हासिल करना चाहते हैं लेकिन लक्ष्य तय करना जितना आसान होता है लेकिन लक्ष्य को हासिल करना उतना आसान नहीं होता है। लक्ष्य छोटा होता है तो भी उसे हासिल करना आसान नहीं होता है,उसके लिए मेहनत करनी पड़ती है।लोगों का सहयोग लेना पड़ता है, लोगों को समझाना पड़ता है कि लक्ष्य हासिल करना व्यक्ति,समाज,गांव,शहर के लिए कितना लाभदायक होगा।लक्ष्य बड़ा हो तो उसे हासिल करना और मुश्किल होता है।जैसे किसी गांव में शराबबंदी करनी है तो शहर की तुलना मे वहां शराबबंदी आसान होता है क्योंकि गांव में कुछ सौ लोगों को ही इसके लिए तैयार करना पड़ता है, समझाना पड़ता है कि उससे गांव में परिवार में शांति होगी। गांव में थोड़े से लोग ही शराब पीने वाले होते हैं,ज्यादातर लोग नहीं पीने वाले होते हैं इसलिए कई बार सुनने में आता है कि फलाने गांव में गांव के लोगों ने शराबबंदी कर दी है। इससे गांव में अब शांति है,परिवार व गांव में लड़ाई झगड़ा कम हो गया है।

गांव की तुलना में शहर में शराबबंदी का लक्ष्य तो तय किया जा सकता है लेकिन इस पाना गांव की तुलना में कई गुना मुश्किल होता है। क्योंकि शहर की आबादी लाखों में होती है,शहर में लाखों लोग रोज शराब पीते हैं।लाखों लोगों के शराब पीने से सरकार को आय होती है।इसलिए सरकार शराब को परिवार,समाज के लिए बुरा मानते हुए भी उसकी बिक्री पर कोई रोक नहीं लगाती है।वह तो ज्यादा शराब दुकान खोलकर शराब की बिक्री से ज्यादा आय पाना चाहती है ताकि उसके खर्च बढ़े तो उसे कर्ज न लेना पड़े या आर्थिक तंगी न हो।सरकार एक तरफ अभियान भी चलाती है कि लोगों को बताती है कि शराब पीने से क्या नुकसान होता है और दूसरी तरफ शराब बेचने के लिए नई नई दुकाने भी खोलती जाती है।कई राजनीतिक दलों की सरकारें तो इससे राज्य के लिए खर्च का इंतजाम करने के साथ ही भ्रष्टाचार करके पार्टी फंड के लिए पैसा जुटाने का काम कर चुकी हैं,चुनाव लड़ने के लिए पैसों का इंतजाम शराब नीति में फेरबदल करके कर चुकी हैं। लोग भी चाहते है कि शराबबंदी होनी चाहिए और सरकार भी चाहती है कि शराबबंदी होनी चाहिए। लोगों को शराब नहीं पीनी चाहिए। इससे न घर में शांति रहती है और न शहर में शांति रहती है। इससे सबसे ज्यादा प्रभावित महिलाएं होती है इसलिए महिलाएं ज्यादा चाहती हैं राज्य में शराबबंदी होनी चाहिए। एक राजनीतिक दल ने महिलाओं से शराबबंदी का वादा कर वोट ले लिए चुनाव जीत गया लेकिन जब शराबबंदी करने की बात आई,वह शराबबंदी नही कर सका क्योंकि सत्ता मिलने के बाद उसे पता चला कि शराबबंदी का वादा करना जितना सरल होता है,शराबबंदी करना उससे कहीं ज्यादा मुश्किल होता है।बिहार मे एक सरकार ने शराबबंदी करके दिखा दिया कि राज्य में सरकार चाहे तो शराबबंदी की जा सकती है लेकिन उनको भी शराबबंदी के बाद पता चला कि शराबबंदी करना आसान है लेकिन राज्य में शराब की बिक्री पर रोक लगाना संभव नहीं है यानी शराबबंदी के बाद अवैध रूप से शराब की बिक्री होने लगती है।गुजरात में आजादी के बाद से शराबबंदी हैं लेकिन शराब तो वहां भी बिकती है और पीने वाले तो वहां भी पीते हैं।शराबबंदी करने का मतलब तो यह नहीं होता है कि लोग शराब पीना बंद कर देंगे। बल्कि शराबबंदी के बाद लोगों को अच्छी शराब नहीं मिलती है तो लोग दूसरे सूखा नशा करने लगते हैं, जहरीली शराब पीने लगते हैं। यानी नशे की समस्या तो बनी ही रहती है।इसलिए भी राज्य सरकारें अपने यहां शराबबंदी नहीं करती है। शराबबंदी से बड़ा लक्ष्य नशाबंदी होता है यानी समाज,राज्य व देश को नशामुक्त करने का लक्ष्य और बड़ा होता है,यदि किसी गांव को नशामुक्त करना हो तो वह किया जा सकता है लेकिन जैसे ही किसी शहर,जिला,प्रदेश व देश व युवा को नशामुक्त करने का लक्ष्य तय किया जाता है तो यह लक्ष्य बहुत बड़ा हो जाता है और इसे हासिल करना उतना ही मुश्किल होता है। नशामुक्त राज्य व नशामुक्त युवा का लक्ष्य राज्य सरकारों के लिए मुश्किल लक्ष्य होता है।उनके सामने मुश्किल यह होती है कि जैसे ही वह नशामुक्त युवा का लक्ष्य तय करती हैं, उनकी आलोचना इस बात के लिए होनी लगती है कि वह शराब की बिक्री कराती है और दूसरी तरफ नशामुक्त युवा की बात करती है। पीएम मोदी ने मन की बात में नशामुक्त युवा की बात की है और नशामुक्त भारत की बात की है तो बात करने से यह तो पता लगता है कि पीएम मोदी ऐसा चाहते हैं।

सबकी नजरें एआई पर, लेकिन असली ताकत 'क्लाउड' के हाथों में है

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

हाल ही में जब गूगल (अल्फाबेट) ने अपने ताजा तिमाही नतीजे घोषित किए, तो निवेशकों को उसके नकारात्मक फ्री कैश फ्लो और डेटा सेंटरों पर बढ़ते खर्च को लेकर चिंता हुई। लेकिन गूगल-ओपनएआई या एन्थ्रोपिक जैसी कंपनी नहीं है, जो भारी खर्च करते हुए मुनाफे वाला बिजनेस मॉडल तलाश रही हो।

वह क्लाउड-कंप्यूटिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी है और दूसरी तिमाही में उसके क्लाउड डिवीजन के नतीजे असाधारण रहे हैं। गूगल क्लाउड का राजस्व साल-दर-साल 82 प्रतिशत बढ़ा है और अब यह गूगल सर्च से होने वाले राजस्व के 40 प्रतिशत के बराबर पहुंच गया है।

दो अन्य टेक दिग्गज-माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन भी इसी स्थिति में हैं। माइक्रोसॉफ्ट का क्लाउड कारोबार उसका सबसे तेजी से बढ़ने वाला डिवीजन है और रिकॉर्ड मुनाफा कमा रहा है। वहीं अमेजन वेब सर्विसेज की शुद्ध बिक्री साल-दर-साल 37 प्रतिशत बढ़ी है, जिसे कंपनी ने पिछली 18 तिमाहियों में सबसे तेज ग्रोथ बताया है। एआई इन क्लाउड दिग्गजों का ट्रोजन हॉर्स है। एआई को लेकर जितनी हाइप बनेगी, क्लाउड का इस्तेमाल उतना ही बढ़ेगा और इनका बिजनेस उतना ही फैलेगा।

क्लाउड पर मालिकाना हक होने के कारण इन कंपनियों के हाथों में पूरे डिजिटल ढांचे का नियंत्रण है। डेटा और सॉफ्टवेयर से लेकर सेमीकंडक्टर और अत्याधुनिक एआई मॉडल तक- सब कुछ क्लाउड के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है।

डिजिटल तकनीकों को विकसित करने या उन्हें लागू करने वालों के लिए क्लाउड एक अपरिहार्य सुपरमार्केट है। थर्ड पार्टीज़ भी अपनी डिजिटल तकनीकों को सेवाओं के रूप में उपलब्ध कराती हैं, जिससे क्लाउड की एक ही जगह हर चीज उपलब्ध कराने वाले केंद्र के रूप में उपयोगिता और बढ़ जाती है।

नतीजतन, हजारों कंपनियों का एक विशाल नेटवर्क तैयार हो गया है- जिसमें एसएपी, ओरेकल और आईबीएम जैसे दूसरे दिग्गज भी शामिल हैं- जो अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्मों के जरिए अपनी तकनीकें उपलब्ध करा रही हैं।

इस तरह, क्लाउड वह जगह है, जहां अनेक कंपनियां मिलकर डिजिटल तकनीकों का निर्माण करती हैं, लेकिन उनका बड़ा लाभ कुछ गिनी-चुनी कंपनियों को ही मिलता है। क्लाउड पर नियंत्रण ने अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल को ओरेकल और एनवीडिया जैसी दूसरी विशाल टेक कंपनियों से भी अलग दर्जा दिया है।

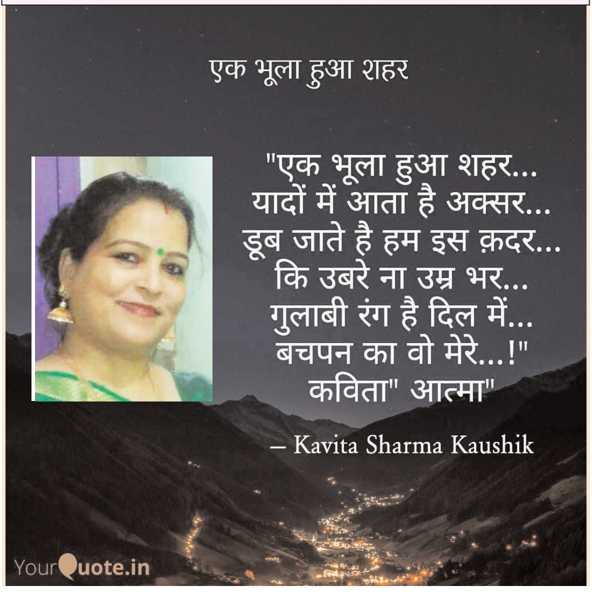

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

रोग के समान दुर्गुण का अभिप्राय है कि जो व्यक्ति स्वभाव से तो भले हैं, जिनका चरित्र उदार है जैसे कैकेई अंबा का चरित्र, महाराज श्रीदशरथ का चरित्र। लेकिन जैसे स्वस्थ व्यक्ति भी कुपथ्य हो जाने के कारण कभी-कभी अस्वस्थ हो जाता है इसी प्रकार से भला से भला व्यक्ति कभी न कभी इन मानस रोगों से ग्रस्त हो जाता है। और जो लोग स्वभाव से तो भले हैं लेकिन अनजाने में ही जिनके जीवन में बुराइयां कभी-कभी दिखाई देती हैं उनके जीवन में दुर्गुण रोग के समान हैं, तथा कुछ लोगों के जीवन में दुर्गुण रोग के समान न होकर राक्षस के समान हैं। कभी-कभी लोग प्रश्न करते हैं कि जिस व्यक्ति के जीवन में दुर्गुण हैं उसे दंड मिलना चाहिए कि नहीं ? जो अहिंसावादी हैं वे कहते हैं कि नहीं-नहीं, उदारता के द्वारा, लोगों के अंत:करण के परिवर्तन के द्वारा समाज में परिवर्तन होगा, दंड देने से समाज की समस्या का समाधान नहीं होगा। और कुछ लोग यह कहते हैं कि दंड ही समाज को ठीक-ठाक चला सकता है इसलिए दंड देना आवश्यक है। तो भई ! दंड के माध्यम से समाज में परिवर्तन आएगा या हृदय परिवर्तन के माध्यम से, इस संदर्भ में रामायण में दोनों का संतुलित वर्णन किया गया है। रामायण में हृदय परिवर्तन तथा दंड दोनों प्रक्रियाएं विद्यमान हैं।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

छत्तीसगढ़ में समुद्र नहीं, फिर भी नारियल की खेती में आग

रायपुर। नारियल की खेती के लिए समुद्र का किनारा मुफीद माना जाता है। यही वजह है कि दक्षिण भारत नारियल उत्पादन का प्रमुख केंद्र है। हालांकि, समुद्र से दूर छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में स्थित भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अधीन स्थापित प्रदर्शन सह बीज उत्पादन प्रक्षेत्र (डीएसपी) ने नारियल उत्पादन में देश में खास पहचान बनाई है। देश के 11 ऐसे प्रक्षेत्रों में कोंडागांव का यह प्रक्षेत्र सालाना नारियल उत्पादन के मामले में पहले स्थान पर है। करीब 100 एकड़ में फैले इस प्रक्षेत्र में 6000 नारियल के पेड़ हैं, जिनसे सालाना 3 लाख से अधिक नारियल का उत्पादन होता है।

नारियल विकास बोर्ड के इस प्रक्षेत्र में नारियल की विभिन्न 18 प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। यहां उत्पादित नारियल में करीब 70 फीसदी उत्पादन बौनी, टॉल और संकर प्रजातियों के पेड़ों से होता है। बिक्री से बोर्ड को सालाना करीब एक करोड़ रुपए की आमदनी होती है।

यह प्रक्षेत्र केवल नारियल उत्पादन तक सीमित नहीं है। यहां हर साल 50 हजार से अधिक नारियल के पौधे तैयार कर बिक्री की जाती है। इन पौधों की मांग छत्तीसगढ़ के अलावा दूसरे राज्यों में भी रहती है।

नारियल के पौधे को फल देने में सामान्यतः चार से पांच साल लगते हैं। इसके बाद पेड़ करीब 60 से 70 वर्ष तक लगातार फल देता रहता है। नारियल की खेती में किसानों को शुरुआती वर्षों में इंतजार करना पड़ता है। सामान्य तौर पर नारियल का पौधा चार से पांच साल में फल देना शुरू करता है। इसके बाद एक स्वस्थ पेड़ लंबे समय तक उत्पादन देता रहता है। एक नारियल का पेड़ करीब 60 से 70 साल तक उत्पादन दे सकता है। यही वजह है कि लंबे समय के लिए बागवानी करने वाले किसानों के लिए नारियल की खेती को उपयोगी विकल्प माना जाता है। हालांकि, बेहतर उत्पादन के लिए पौधों की प्रजाति, मिट्टी, सिंचाई, जल निकासी, खाद प्रबंधन और स्थानीय जलवायु जैसे कारकों का ध्यान रखना जरूरी होता है।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

छत्तीसगढ़ BJP में बड़ी नियुक्तियां, युवा मोर्चा समेत 7 मोर्चों के प्रभारी घोषित

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ ने प्रदेश के विभिन्न मोर्चों के लिए नए प्रभारियों की घोषणा कर दी है। पार्टी की ओर से जारी आदेश के अनुसार, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से इन नियुक्तियों को मंजूरी दी गई है। प्रदेश भाजपा ने कुल 7 मोर्चों के प्रभारियों की जिम्मेदारी तय की है। नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

जारी सूची में युवा मोर्चा की जिम्मेदारी वैभव बैस को सौंपी गई है। वहीं महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा सहित अन्य मोर्चों के लिए भी नए प्रभारियों के नाम घोषित किए गए हैं।

खेल प्रतिभाओं को तराशने CSR फंड का 50% खेल अधोसंरचना पर खर्च होः बृजमोहन अग्रवाल

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने समिति बैठक में उठाया खेलों के विकास और खिलाड़ियों के भविष्य का मुद्दा

रायपुर। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल मंगलवार को शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के गुजरात अध्ययन दौरे पर अहमदाबाद में आयोजित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में शामिल हुए। बैठक के पहले सत्र में समिति सदस्य बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ समेत देशभर में खेल अधोसंरचना के विकास और प्रतिभावान खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अहमदाबाद में भारत वर्ष 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी और 2036 के ओलंपिक आयोजन की दावेदारी की दिशा में अग्रसर है, ऐसे में जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को तराशना और उन्हें सुरक्षित भविष्य देना बेहद जरूरी है।

बृजमोहन अग्रवाल ने सुझाव दिया कि, सार्वजनिक उपक्रमों और लीड बैंकों को अपने ष्टस्क्र फंड का कम से कम 50 प्रतिशत हिस्सा खेल अधोसंरचना के विकास में लगाने पर विचार करना चाहिए। ष्टस्क्र की राशि का उपयोग केवल संबंधित संस्थानों के कार्यक्षेत्र तक सीमित न रहकर देश के उन क्षेत्रों में भी किया जाना चाहिए, जहां खेल प्रतिभाएं तो हैं, लेकिन संसाधनों और सुविधाओं का अभाव है। यदि छत्तीसगढ़ के आदिवासी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक खेल मैदान, प्रशिक्षण केंद्र और आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं, तो यहां की प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश एवं प्रदेश का नाम और अधिक रोशन कर सकती हैं।

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी और ग्रामीण अंचलों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। प्रदेश लंबे समय से हॉकी की नर्सरी के रूप में अपनी पहचान रखता है, उन्होंने कहा कि इस वर्ष छत्तीसगढ़ में पहली बार खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन हुआ, जिसमें देश के 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से लगभग 3,800 खिलाड़ियों एवं प्रतिभागियों ने विभिन्न खेलों में हिस्सा लिया। यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की भरपूर संभावनाओं के साथ-साथ बड़े राष्ट्रीय खेल आयोजनों को सफलतापूर्वक आयोजित करने की क्षमता भी है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल ने यह भी की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया और फिट इंडिया को आगे बढ़ाने के लिए ष्टस्क्र निधि से स्कूल-कॉलेजों में मैदान और खेल उपकरण उपलब्ध कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि, केवल पदक जीतने तक ही ध्यान सीमित न रहे, बल्कि स्कूल और कॉलेजों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य, फिटनेस और बुनियादी खेल सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए।

बृजमोहन ने विभिन्न राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में मेडल जीतने वाले और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित खिलाड़ियों को सरकारी विभागों के साथ-साथ सार्वजनिक उपक्रमों में भी 100% नौकरी सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। जिससे युवा खेल को करियर के रूप में अपना सकें।

बैठक के दुसरे सत्र में 'सक्षम आंगनवाड़ी एवं मिशन पोषण 2.0' के देशव्यापी क्रियान्वयन, प्रभाव और आगामी रणनीतियों पर विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने देश में महिलाओं और बच्चों में कुपोषण तथा एनीमिया की रोकथाम के लिए चल रहे प्रयासों पर विचार रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य के परिप्रेक्ष्य को प्रमुखता से सामने रखा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 15वें वित्त आयोग की अवधि के लिए 1,81,703 करोड़ के कुल वित्तीय आवंटन (जिसमें 1,02,031 करोड़ केंद्रीय अंश है) के साथ संचालित 'मिशन पोषण 2.0' का प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

अग्रवाल ने चर्चा के दौरान उल्लेख किया कि देश के 112 आकांक्षी जिलों में छत्तीसगढ़ के भी कई जिले शामिल हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य के वनांचल, बस्तर और सरगुजा संभाग जैसे दूरस्थ अंचलों में कुपोषण और एनीमिया के चक्र को तोड़ने के लिए जीवन-चक्र दृष्टिकोण के तहत पूरक पोषण कार्यक्रम 3 पोषण ट्रैकर की डिजिटल मॉनिटरिंग और आंगनवाड़ियों का आधुनिकीकरण और अधिक गति से होना चाहिए।

बलरामपुर के तहसील में भरा पानी, स्कूलों में आज छुट्टी:अंबिकापुर की पॉश कॉलोनियों में भी जलभराव

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून एक बार फिर एक्टिव है। उत्तर छत्तीसगढ़ में भारी बारिश हो रही है। बलरामपुर जिले में लगातार बारिश के चलते आज शासकीय और निजी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। राजपुर के तहसील कार्यालय में बारिश का पानी घुस गया है।

वहीं अंबिकापुर की पॉश कॉलोनी कुंडला वसुंधरा में भी लगातार बारिश से पानी भर गया है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के कई हिस्सों में आज हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के एक-दो हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

इस दौरान कुछ जगहों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की भी आशंका है। खासकर उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में बारिश का जोर अधिक रह सकता है। प्रदेश में अब तक सामान्य से 2% कम बारिश हुई है।

5 कॉलेजों के 30 शिक्षक शिक्षा रत्न सम्मान से सम्मानितः उच्च शिक्षा में योगदान के लिए मिला सम्मान

रायपुर। निजी महाविद्यालय प्राचार्य कल्याण संघ छत्तीसगढ़ की ओर से शिक्षक दिवस से पहले 1 सितंबर को शिक्षा रत्न सम्मान-2026 समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ट्रिपल आईटी के डायरेक्टर डॉ. ओम प्रकाश व्यास मुख्य अतिथि रहे, जबकि महाविद्यालय शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने अध्यक्षता की।

समारोह में वरिष्ठ शिक्षाविद अजय तिवारी, अग्रसेन महाविद्यालय पुरानी बस्ती प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रो. विट्ठल अग्रवाल, निजी महाविद्यालय प्राचार्य संघ के अध्यक्ष डॉ. मेघेश तिवारी, सचिव डॉ. देवाशीष

मुखर्जी सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य मौजूद रहे। समारोह में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के प्रोफेसर डॉ. राजीव चौधरी को राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान मिलने पर अतिथियों ने सम्मानित कर अभिनंदन किया। इसके साथ ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट और उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों को उनके शैक्षणिक, सामाजिक और अकादमिक कार्यों के लिए शिक्षा रत्न सम्मान प्रदान किया गया।

दुर्गा महाविद्यालय की सुनीता चंसोरिया और डॉ. विजय कुमार चौबे भी शामिल रहे।

आयोजकों के अनुसार, समारोह में 15 महाविद्यालयों के कुल 30 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इनमें दुर्गा महाविद्यालय की सुनीता चंसोरिया और डॉ. विजय कुमार चौबे भी शामिल रहे। शिक्षकों के योगदान को रेखांकित करते हुए अतिथियों ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले शिक्षकों का सम्मान अन्य शिक्षकों और विद्यार्थियों को भी प्रेरित करता है।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रुति और प्रीतम ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. यूलेंद्र राजपूत ने किया। समारोह में निजी महाविद्यालयों से जुड़े शिक्षकों और प्राचार्यों ने भाग लिया।

एनएच-30 पर पहली बार लेन सिस्टमः भारी वाहन बाईं, कारें दाईं लेन में; उल्लंघन पर 1000 तक जुर्माना

रायपुर। एनएच-30 पर टाटीबंध से जोरा तक 19 किमी हिस्से में पहली बार लेन सिस्टम लागू किया जाएगा। भारी वाहन बाईं और चारपहिया वाहन दाईं लेन में चलेंगे। दोपहिया वाहनों के लिए सर्विस लेन निर्धारित की जाएगी। नियम तोड़ने पर वाहन के प्रकार के अनुसार 300 से 1 हजार रुपए तक जुर्माना लगाया जाएगा। एनएचएआई और ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों की हाल में हुई बैठक में नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया।

इसके तहत हाइवे पर लेन मार्किंग की जाएगी। जगह-जगह साइन बोर्ड और दोनों ओर कुल 12 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। अफसरों का दावा है कि सुधार कार्य कर अगले एक महीने में लेन सिस्टम लागू कर दिया जाएगा।

दोपहिया वाहनों के लिए सर्विस लेन चौड़ी की जाएगी। इसमें बाधक बिजली के खंभों को हटाने पहले चरण में बिजली विभाग को 8 करोड़ रुपए दिए हैं। खंभे हटने पर चौड़ीकरण शुरू होगा। बता दें कि ट्रैफिक पुलिस ने इस मार्ग पर टाटीबंध, सिलतरा बाइपास, सरोना सर्विस लेन, भाठागांव शराब दुकान, राम मंदिर से तेलीबांधा तक के हिस्से ब्लैक स्पॉट के रूप में चिह्नित हैं। यहां सालभर में 30 हादसों में करीब 15 लोगों की जान जा चुकी है।

एनएच-30 मुंबई-हावड़ा को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। टाटीबंध से जोरा के बीच रोज दो लाख वाहन गुजरते हैं। इनमें 50 हजार से ज्यादा भारी वाहन होते हैं। ट्रकों के बार-बार लेन बदलने से पीक आवर में जाम लगता है।

नई व्यवस्था में ट्रक और दूसरे भारी वाहन बाईं लेन में चलेंगे। दाईं लेन चारपहिया वाहनों और ओवरटेकिंग के लिए होगी। दोपहिया वाहनों को मुख्य सड़क के बजाय सर्विस लेन से गुजरना होगा। इससे ओवरटेक करने की घटनाएं घटेंगी।

दोनों ओर 12 कैमरों से होगी निगरानी टाटीबंध से जोरा तक दोनों ओर 12 सीसीटीवी लगेंगे। साइन बोर्ड पर अलग-अलग वाहनों के लिए निर्धारित लेन की जानकारी होगी। कैमरों से नियम तोड़ने वाले वाहनों की पहचान कर कार्रवाई होगी।

बाइक पर 300, कार पर 500 जुर्माना गलत लेन में चलने पर दो पहिया पर 300 रुपए, चारपहिया चालक पर 500 रुपए और भारी वाहन चालक से 1 हजार रुपए जुर्माना वसूला जाएगा। कार्रवाई की जिम्मेदारी ट्रैफिक पुलिस की होगी।

वाहनों की आवाजाही व्यवस्थित होगी रिंग रोड-1 पर भारी वाहनों के साथ छोटी गाड़ियां भी चलती हैं। टाटीबंध से जोरा के बीच 5 ब्लैक स्पॉट हैं। लेन सिस्टम से यातायात व्यवस्थित होगा और हादसों पर अंकुश लगेगा। **-सतीश सिंह ठाकुर, डीएसपी ट्रैफिक**

बस्तर फाइटर्स में 4600 पदों के लिए होगी सीधी-भर्तीःस्थानीय बोली पर 20 अंक बोनस, 100 अंकों की लिखित, 100 की दक्षता परीक्षा

रायपुर। बस्तर संभाग के स्थानीय युवाओं को पुलिस सेवा से जोड़ने के लिए बस्तर फाइटर्स में 4600 आरक्षकों की सीधी भर्ती होगी। भर्ती की खास बात यह है कि स्थानीय भाषा-बोली जानने वाले अभ्यर्थियों को 20 बोनस अंक मिलेंगे। गृह विभाग ने भर्ती की नियमावली तैयार कर ली है। पुलिस मुख्यालय इसके लिए अलग से विज्ञापन जारी करेगा।

भर्ती में आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी का संबंधित जिले का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य होगा। सामान्य वर्ग के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास रखी गई है। एसटी वर्ग के अभ्यर्थी 5वीं पास होने पर भी पात्र होंगे। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के नक्सल पीड़ित परिवारों और राहत शिविरों में रहने वाले परिवारों के सभी वर्गों के उम्मीदवारों को भी 5वीं पास होने पर मौका मिलेगा।

अभ्यर्थियों की आयु 18 से 28 वर्ष के बीच होनी चाहिए। एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को अधिकतम आयु सीमा में पांच साल की छूट मिलेगी। महिलाओं, पूर्व सैनिकों, नगर सैनिकों और संविदा कर्मचारियों को भी नियमानुसार आयु सीमा में अतिरिक्त छूट दी जाएगी।

चयन प्रक्रिया 200 अंकों की होगी। पहले 100 अंकों की शारीरिक दक्षता परीक्षा में लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, 100 और 800 मीटर दौड़ होगी।

सामान्य वर्ग को न्यूनतम 60% और एससी-एसटी व ओबीसी को 50% अंक लाने होंगे। मेरिट के आधार पर लिखित परीक्षा के लिए चयन होगा। इसमें सामान्य ज्ञान, बुद्धि-विवेक, स्थानीय भूगोल-संस्कृति और अंकगणित के प्रश्न होंगे। इसके बाद तीन गुना अभ्यर्थियों का 20 अंकों का इंटरव्यू होगा।

आरक्षण और पेंशन का नया विकल्प इस भर्ती में स्थानीय महिलाओं को 30%, 3 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके होम-गार्ड्स को 25% और भूतपूर्व सैनिकों को 10% का आरक्षण मिलेगा। चयनित जवानों को सरकार द्वारा नई पेंशन प्रणाली के तहत एनपीएस या यूपीएस (एकीकृत पेंशन योजना) में से किसी एक को चुनने का अधिकार होगा।

भौगोलिक समझ का फायदा बस्तर के घने जंगलों, पहाड़ियों और दुर्गम इलाकों में बाहरी पुलिस बलों की तुलना में स्थानीय युवाओं को रास्तों की जानकारी अधिक होती है।

स्थानीय बोली में संवाद गोंडी-हलबी जैसी बोली में ग्रामीणों के बीच संवाद होता है। इससे पुलिस और आदिवासियों के बीच का अविश्वास खत्म करने में मदद मिलती है।

मुख्यधारा से जुड़ाव 5वीं और 10वीं पास स्थानीय युवाओं व नक्सल प्रभावित परिवार के सदस्यों को सरकारी नौकरी देकर उन्हें मुख्यधारा में शामिल करना मुख्य मकसद है।

सटीक इंटेलिजेंस बस्तर के सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल से जुड़े होने के कारण स्थानीय जवानों के माध्यम से खुफिया सूचनाएं तेजी से और सटीक मिलती हैं।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल
मो.नं. : 9770888888

मेष। आज ग्रह दशा अधिक अनुकूल नहीं है, इसलिए कोई भी बड़ा काम हाथ में लेने से पहले गंभीरता से सोच लें. खर्चे बढ़े रहने के कारण तनाव महसूस हो सकता है. स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी और विरोधी सक्रिय हो सकते हैं. राजनीति और कानून से जुड़े लोगों के लिए दिन सफल रहेगा. **शुभ उपाय:** हनुमान जी को लड्डू

वृषभ। आज का दिन काफी अनुकूल है. ग्रहों की चाल से लाभ होगा और आय में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में इंक्रीमेंट की चर्चा हो सकती है. प्रेमी जातकों के लिए दिन खुशियों भरा रहेगा और जीवनसाथी के साथ रिश्ता मजबूत होगा. व्यापार में सफलता मिलने के पूर्ण संकेत हैं.
वो आज अपने स्टूडेंट को नए तरीके से पढ़ाएंगे. स्वीट्स के बिजनेस में अच्छा लाभ मिलेगा.

मिथुन। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में लगेगा और आप परोपकार के कार्य करेंगे. कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन की तारीफ होगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके पक्ष में रहेंगे. पारिवारिक जिम्मेदारियों और पेशेवर जीवन के बीच आप अच्छा तालमेल बिठाने में सफल रहेंगे. अविवाहित लोगों के लिए विवाह का प्रस्ताव मिल सकता है।

कर्क। किस्मत आज आप पर मेहरबान रहेगी. भाग्य के सहयोग से सभी कार्य सरलता से पूरे होंगे. किसी खूबसूरत जगह की यात्रा का योग है जिससे मन तरोताजा हो जाएगा. मान-सम्मान में वृद्धि होगी और भाई-बहनों की मदद से करियर में कुछ बड़ा कर पाएंगे.
नया काम शुरू करने से पहले बड़ों की सलाह जरूर लें. दाम्पत्य संबंध आज पहले से बेहतर रहेंगे. जीवनसाथी की तरफ से कोई अच्छा गिफ्ट मिल सकता है.

सिंह। आज लाभ का दिन है, लेकिन कुछ पुरानी बातें मानसिक तनाव दे सकती हैं. आत्मविश्वास बना रहेगा जिससे आप चुनौतियों का सामना कर पाएंगे. घर की कुछ मुश्किलें रूटीन को प्रभावित कर सकती हैं. राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन विशेष रूप से अच्छा रहेगा. मेहनत से आप रुकावटों को पार कर लेंगे. बाहर घूमने का प्लान अंतिम समय में कैंसिल हो सकता है. कारोबार में पैसों का पुराना मामला सुलझ जायेगा, लेकिन बारीकी से ध्यान

कन्या। व्यवसाय के लिए कोई नई खुशखबरी मिल सकती है. नए व्यापारिक सौदे प्राप्त होने से कारोबार चमकेगा. दांपत्य जीवन में तनाव खत्म होगा. यदि जीवनसाथी के नाम पर कोई निवेश या व्यापार करते हैं, तो भारी मुनाफे के योग हैं. बीच-बीच में गुस्सा परेशान कर सकता है. अपनी रूटीन लाइफ और स्वभाव में लचीलापन रखने से फायदा होगा. पुराने दोस्त से मुलाकात बिजनेस में मददगार साबित होगी. जीवनसाथी से किया वादा पूरा करेंगे.

तुला। आज ग्रहों की स्थिति पक्ष में नहीं है, इसलिए निवेश करने से बचें. पुराने निवेश का फल मिल सकता है. नौकरी के लिए आवेदन कर रहे हैं तो सफलता पक्की है. खान-पान की लापरवाही से स्वास्थ्य खराब हो सकता है. धन प्राप्ति के लिए गलत रास्ता अपनाने से बचें. उच्चाधिकारियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी. लवमेट को उपहार दे सकते हैं जिससे रिश्तों में मधुरता आएगी.

वृश्चिक। आज ग्रहों की स्थिति पक्ष में नहीं है, इसलिए निवेश करने से बचें. पुराने निवेश का फल मिल सकता है. नौकरी के लिए आवेदन कर रहे हैं तो सफलता पक्की है. खान-पान की लापरवाही से स्वास्थ्य खराब हो सकता है. धन प्राप्ति के लिए गलत रास्ता अपनाने से बचें. आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा और ज्यादातर काम आसानी से पूरे होंगे. अपनी प्रेजेंटेशन या प्लान को एक बार दोबारा चेक कर लें. संतान पक्ष से खुशखबरी मिल सकती है.

धनु। आज विशेष लाभ के योग हैं. परिवार के प्रति आपका झुकाव बढ़ेगा और माता के लिए कुछ विशेष करने की इच्छा होगी. नया वाहन या घर खरीदने के प्रयास सफल हो सकते हैं. मैनेजमेंट के छात्रों के लिए समय अत्यंत शुभ है. काम में लापरवाही न बरतें. बिजनेसमैन की किसी बड़ी कंपनी से डील साइन हो सकती है, धनलाभ के योग हैं. बच्चों के साथ समय बीतेगा और स्वास्थ्य में सुधार होगा.
शुभ उपाय: काले कुत्ते को रोटी खिलायें, मन प्रसन्न रहेगा.

मकर। आज का दिन पुरानी यादों को ताजा करने और दोस्तों के साथ गपशप करने का है. भाई-बहनों से सुखद समाचार मिलेगा. व्यापार में आप अपने विरोधियों पर हावी रहेंगे और कुछ बड़े फैसले लेंगे. आत्मविश्वास की परीक्षा हो सकती है, जिसमें आप सफल रहेंगे. बाहर जाते समय अपने मोबाइल और कीमती सामान का ध्यान रखें. किसी से बेवजह की बहस न करें, पड़ोसियों से अनबन हो सकती है. नई फर्म शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा.
शुभ उपाय: हनुमान जी को बेसन के लड्डू चढ़ाएं.

कुंभ। ार्थिक चुनौतियां कम होंगी और कहीं से रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है. कर्ज के बोझ से राहत मिलेगी. किसी बड़ी संपत्ति के लिए बैंक लोन का विचार कर सकते हैं. वाणी में कड़वाहट आ सकती है, जिससे रिश्तों पर असर पड़ सकता है, अत: सोच-समझकर बोलें. मानसिक परेशानियों से राहत मिलेगी. आईटी फील्ड के लोगों को महत्वपूर्ण संपर्क मिलेंगे. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा.
शुभ उपाय: हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाएं, हर कार्य में लाभ मिलेगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी है,

मीन। आज का दिन सफलता की गारंटी लेकर आया है. जहां हाथ डालेंगे, वहीं सफलता मिलेगी. आत्मविश्वास और सेहत दोनों मजबूत रहेंगे. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा और जीवनसाथी के लिए खरीदारी कर सकते हैं. सरकारी क्षेत्र से बड़े लाभ मिलने की प्रबल संभावना है घर की पुरानी समस्याएं सुलझेंगी और रुका हुआ काम पूरा होगा. पार्ट टाइम काम शुरू करने के लिए धैर्य रखें. दोस्तों का सहयोग मिलेगा. भविष्य के लिए बचत पर ध्यान देंगे. आपको अपने रिश्तों में संतुलन और समानता बनाए रखने की कोशिश करनी होगी। यदि किसी काम को पूरा करने में पहले कठिनाई आ रही थी तो अब उसका समाधान निकलता दिखाई देगा।

जन्माष्टमी-भाद्र पूर्णिमा पर स्पेशल ट्रेन की सौगात

जमालपुर, गोड्डा और सुल्तानगंज से मिलेगी सुविधा, देवघर-राघोपुर मेमू भी पूरे सितंबर चलेगी

जामताड़ा। जन्माष्टमी और भाद्र पूर्णिमा के दौरान देवघर और आसपास के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की संभावित अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने विशेष ट्रेनों के परिचालन का फैसला लिया है। पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के अनुसार, यात्रियों की सुविधा के लिए जरूरी रूटों पर तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

इसके अलावा देवघर-राघोपुर-देवघर मेमू स्पेशल की सेवा भी पूरे सितंबर जारी रहेगी। अतिरिक्त ट्रेनों के परिचालन से देवघर के साथ सुल्तानगंज, गोड्डा, जमालपुर समेत आसपास के इलाकों से आने-जाने वाले यात्रियों और श्रद्धालुओं को राहत मिलने की उम्मीद है।

रेलवे के मुताबिक सभी स्पेशल ट्रेनें मार्ग में पड़ने वाले सभी बीच के स्टेशनों पर रुकेंगी, जिससे छोटे-बड़े स्टेशनों के यात्रियों को भी आवागमन की सुविधा मिलेगी।

जमालपुर-देवघर स्पेशल सुबह 5:10 बजे खुलेगी

जमालपुर और देवघर के बीच पैसेंजर स्पेशल ट्रेन 03442/03441 का परिचालन 6, 13, 20 और 27 सितंबर 2026 को किया जाएगा। 03442 जमालपुर-देवघर स्पेशल जमालपुर से सुबह 5:10 बजे रवाना होकर सुबह 10:10 बजे देवघर पहुंचेगी। वापसी में 03441 देवघर-जमालपुर स्पेशल देवघर से दोपहर 3:45 बजे चलेगी और रात 10:25 बजे जमालपुर पहुंचेगी।

इसी तरह देवघर और गोड्डा के बीच 03444/03443 स्पेशल ट्रेन भी 6, 13, 20 और 27 सितंबर को चलेगी। 03444 देवघर-गोड्डा स्पेशल देवघर से सुबह 10:45 बजे रवाना होकर दोपहर 12:40 बजे गोड्डा पहुंचेगी। वापसी में 03443 गोड्डा-देवघर स्पेशल गोड्डा से दोपहर 1:15 बजे खुलेगी और दोपहर 3:20 बजे देवघर पहुंचेगी।

सुल्तानगंज के लिए मेमू, राघोपुर सेवा भी पूरे सितंबर

देवघर और सुल्तानगंज के बीच 03575/03576 मेमू स्पेशल भी चलेगी। 03575 देवघर-सुल्तानगंज मेमू स्पेशल 3 और 25 सितंबर को शाम 5:30 बजे देवघर से रवाना होकर रात 9:25 बजे सुल्तानगंज पहुंचेगी। वापसी में 03576 सुल्तानगंज-देवघर मेमू स्पेशल 4 और 26 सितंबर को सुबह 5:45 बजे सुल्तानगंज से चलेगी और सुबह 9:35 बजे देवघर पहुंचेगी।

वहीं, यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए 05573 राघोपुर-देवघर मेमू स्पेशल और 05574 देवघर-राघोपुर मेमू स्पेशल की सेवा भी जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

यात्रियों से अपील की गई है कि यात्रा की योजना बनाते समय स्पेशल ट्रेनों की निर्धारित तिथियों और समय-सारणी का ध्यान रखें।

यात्रियों से अपील की गई है कि यात्रा की योजना बनाते समय स्पेशल ट्रेनों की निर्धारित तिथियों और समय-सारणी का ध्यान रखें।

दोनों ट्रेनों का परिचालन 1 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक प्रतिदिन वर्तमान समय-सारणी, मार्ग और ठहराव के अनुसार होगा। इस दौरान दोनों ट्रेनें 30-30 फेरे लगाएंगी।

विधायक जयराम की गिरफ्तारी पर अड़ी पुलिस एसोसिएशनः 5 अक्टूबर से 4 चरण में करेंगे आंदोलन, विधायक बोले- मेरी लड़ाई सिस्टम के खिलाफ

रांची। डूमरी विधायक जयराम महतो और झारखंड पुलिस एसोसिएशन के बीच तनातनी जारी है। अब विधायक जयराम के खिलाफ पुलिस एसोसिएशन आरपार की लड़ाई के मूड में है। एसोसिएशन अब विधायक जयराम की गिरफ्तारी पर अड़ी हुई है।

इसी को लेकर झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने विधायक की गिरफ्तारी समेत 9 सूत्री मांगों को लेकर आरपार की लड़ाई का ऐलान किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल मुर्मू और महामंत्री संजीव कुमार ने सीएम को पत्र भेजकर 8 सितंबर से 10 अक्टूबर तक चलने वाले चार चरणों के आंदोलन की घोषणा की। इनमें 5 से 10 अक्टूबर तक की हड़ताल भी शामिल है।

वहीं विधायक जयराम महतो ने कहा कि उनकी लड़ाई किसी पुलिस अफसर या पुलिसकर्मी से व्यक्तिगत नहीं है, बल्कि उस पुलिसिया सिस्टम के खिलाफ है, जिसमें आमलोगों का शोषण होता है।

एक गरीब दलित युवक के पक्ष में उन्होंने बरवाअड्डा थाना प्रभारी से सिर्फ इतना कहा था कि बिना वजह किसी को प्रताड़ित नहीं करें। थाना प्रभारी ने निजी बातचीत को सार्वजनिक कर दिया। इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। दरअसल, पुलिस और विधायक के बीच विवाद फर्जी सर्टिफिकेट को लेकर शुरु हुआ है। बड़ापिछरी पंचायत की मुखिया यशोदा देवी के फर्जी पैड, मुहर और हस्ताक्षर से प्रमाण पत्र बनाने के आरोप पर जेएलकेएम नेता गणेश दास को हिरासत में लिए जाने के बाद बरवाअड्डा थाने में विवाद शुरू हुआ।21 अगस्त की रात थाने में हुई हिंसक झड़प के बाद शनिवार 22 अगस्त को विधायक जयराम महतो और मुखिया पक्ष ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हुए बरवाअड्डा थाने में पुलिस को लिखित आवेदन दिया। मुखिया के बेटे प्रदीप कुमार रजक के आवेदन पर शनिवार को प्राथमिकी दर्ज की गई।

झारखंड में एमएमडीआर एक्ट का विरोधः महाधिवक्ता ने दी राय, सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में सरकार

रांची। माइंस एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) एक्ट के खिलाफ राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी तेज कर दी है। राज्य सरकार ने अपने संवैधानिक और वित्तीय अधिकारों की रक्षा के लिए शीर्ष न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल करने से पहले सभी कानूनी पक्षों पर सरकार ने महाधिवक्ता से राय मांगी थी। महाधिवक्ता ने अपनी राय सरकार को सौंप दी है।

कानूनी विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं की टीम उक्त एक्ट से जुड़े दस्तावेज और संवैधानिक प्रावधानों का कई दिनों तक अध्ययन करने के बाद रिपोर्ट तैयार की है। इसमें खनिज संसाधनों पर राज्यों के अधिकार, राजस्व हिस्सेदारी और केंद्र-राज्य शक्तियों के बंटवारे से जुड़े प्रावधानों की व्याख्या विस्तृत रूप से की गई है। अब राज्य सरकार इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में ले जाएगी। मालूम हो कि खनिजों से मिलने वाली रॉयल्टी, कर निर्धारण और खनन पट्टों से जुड़े अधिकारों पर केन्द्र और राज्य सरकार के बीच विवाद उत्पन्न हो गया था।

रांची में कोचिंग सेंटर सीलःरांची में बिना ट्रेड लाइसेंस चल रहे 18 कोचिंग सेंटर सील किए जाएंगे

रांची। राजधानी रांची में बिना वैध म्यूनिसिपल ट्रेड लाइसेंस के संचालित हो रहे कोचिंग संस्थानों और लाइब्रेरी पर रांची नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की है। नगर आयुक्त सुशांत गौरव के निर्देश के बाद पिछले दिनों कोचिंग सेंटरों की जांच की गई थी। 70 कोचिंग सेंटरों की जांच में 18 कोचिंग सेंटरों के पास ट्रेड लाइसेंस नहीं मिला।

इन सेंटरों को कोचिंग चलाने से संबंधित कागजात जमा करने का निर्देश दिया गया था। इसमें से 18 कोचिंग सेंटर संचालकों ने कागजात नहीं सौंपे। इसके बाद संबंधित सेंटरों को सील करने का आदेश दिया गया है। निगम की टीम बुधवार से कोचिंग सेंटरों को सील करने की कार्रवाई करेगी।

द ब्लैकबोर्ड, एमबीए एचीवर्स, नेशनल क्लैट एकेडमी, ग्रैविटी एडुकेशन, मास्टर माइंड्स, पेजेस लाइब्रेरी, एकेएस एकेडमी, डीसीयूबीई क्लासेज।

झारखंड नगरपालिका अधिनियम के तहत किसी भी आवासीय या व्यावसायिक परिसर में बिना वैध ट्रेड लाइसेंस व्यावसायिक गतिविधि चलाना पूरी तरह गैरकानूनी है। इसके बावजूद शहर के रिहायशी इलाकों में सैकड़ों संस्थान धड़ल्ले से चल रहे हैं। इन संस्थानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जाती है।

अघोरी आश्रम के पास 24X7 तैनात रहेंगे जवानः बड़ा तालाब के पास बंद चीनी फैक्ट्री में बनेगा पुलिस पोस्ट

रांची। बड़ा तालाब के पास असामाजिक गतिविधियों को रोकने के लिए नई पुलिस पोस्ट बनाई जाएगी। यहां एक बीट ऑफिसर, टाइगर मोबाइल पेट्रोलिंग और 4 जवानों की 24ङ्ग7 तैनाती रहेगी। पुलिस कार्यालय में मंगलवार ?को आयोजित 'जन वार्तालाप' कार्यक्रम में यह निर्णय लिया गया। बड़ा तालाब के समीप स्थित अघोरी आश्रम के पास बंद चीनी फैक्ट्री के परिसर में असामाजिक तत्वों द्वारा असामाजिक गतिविधियां किए जाने की शिकायत पर यह निर्णय लिया गया है।

कार्यक्रम में वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रांची ने कोतवाली थाना क्षेत्र के नागरिकों, व्यापारियों और प्रतिनिधियों से सीधा संवाद किया। बैठक में विधि-व्यवस्था, जाम, अतिक्रमण और असामाजिक तत्वों से जुड़ी समस्याओं को सुनने के बाद एसएसपी ने कई कड़े निर्णय लिए और अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए।

नो-एंट्री में वाहनों पर सख्ती

इसके अलावा नो-एंट्री में भारी वाहनों पर सख्ती बरतने का भी निर्णय लिया गया। जालान रोड, भुइयां टोली, किशोरी सिंह यादव चौक व सेवा सदन क्षेत्र में नो-एंट्री के दौरान बड़े मालवाहक वाहनों के घुसने और पार्किंग पर रोक लगा दी गई है। नियम तोड़ने या सड़क पर खड़े पाए जाने वाले वाहनों पर चालान की सीधी कार्रवाई होगी।

हटेगा अतिक्रमण

सब्जी बाजार में सड़क पर दुकानें लगने से होने वाले जाम को लेकर नगर निगम से समन्वय बनाकर संयुक्त अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। एसएसपी ने लोगों से अपील की कि वे अपने इलाके में नशाखोरी या किसी भी असामाजिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	3			8				1
		7	4		1		5	
9				5		2		
		2			5		1	
3			2	1		5		
5	9			6				2
		6	5		2			
		9	6				2	7
					8		6	5

पिछले अंक का उत्तर

1	4	8	3	2	9	5	6	7
5	9	7	6	1	4	3	2	8
3	2	6	5	7	8	9	4	1
4	8	1	9	3	5	2	7	6
7	6	5	4	8	2	1	9	3
2	3	9	7	6	1	8	5	4
8	7	2	1	5	6	4	3	9
9	1	3	2	4	7	6	8	5
6	5	4	8	9	3	7	1	2

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार भारी बारिशः डैमों के फाटक खुले, घरों में घुसा पानी, गढ़वा में कल तक सभी स्कूल बंद

रांची। बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर एरिया का असर झारखंड पहुंच गया है। इस वजह से रांची सहित गज्यभर में लगातार बारिश हो रही है। नाले उफना गए हैं। सड़कों पर पानी है। डैम ओवरफ्लो होने लगे हैं।

मंगलवार को चांडिल डैम के सभी 13 फाटक खोल दिए गए। वहीं रांची में कांके और गेतलसूद डैम के एक-एक फाटक खोले गए। गेतलसूद से करीब तीन इंच और कांके डैम से पांच इंच पानी बहाया गया। बोकारो के तेनुघाट डैम के आठ रेडियल और एक अंडर स्लूज गेट खोले गए हैं।

उधर, जमशेदपुर में खरकई नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। निचला इलाका पूरी तरह जलमग्न हो गया है। पिछले 24 घंटे में डुमरिया में सबसे ज्यादा 217 एमएम बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार के कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना जताई है। जिसे देखते हुए गढ़वा में कल तक के लिए सभी स्कूल बंद किए गए हैं।

व्यस्त शेड्यूल से WTC फाइनल की राह मुश्किल:ईरानी कप और इंडिया-ए मैचों से तैयारियों के लिए चुनौती; न्यूजीलैंड-ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले कम समय

भारतीय टीम के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल होती जा रही है। WTC पॉइंट्स टेबल में पांचवें नंबर पर मौजूद टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती व्यस्त क्रिकेट शेड्यूल है।

नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज और इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारतीय खिलाड़ियों को रेड-बॉल क्रिकेट की पर्याप्त तैयारी का समय नहीं मिल पा रहा है।

टीम मैनेजमेंट और नेशनल सिलेक्शन कमेटी के सामने घरेलू क्रिकेट, इंडिया-ए के मुकाबलों और इंटरनेशनल सीरीज के बीच खिलाड़ियों के वर्कलोड और तैयारियों का संतुलन बनाने की चुनौती है।

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ इंडिया-ए को 22-25 सितंबर और 29 सितंबर-2 अक्टूबर तक दो 4-दिवसीय रेड-बॉल मैच खेलने हैं। वहीं, 1-5 अक्टूबर तक श्रीनगर में ईरानी कप होगा।

दोनों टूर्नामेंट के शेड्यूल में क्लैश से टेस्ट दावेदारों को लेकर चयनकर्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। इंडिया-ए में ज्यादा टेस्ट खिलाड़ियों को उतारने पर ईरानी कप की रेस्ट ऑफ इंडिया टीम कमजोर हो सकती है, जबकि खिलाड़ियों को ईरानी कप में भेजने पर उन्हें रेड-बॉल क्रिकेट की तैयारी का मौका कम मिलेगा।

न्यूजीलैंड दौरे से पहले भी टाइमलाइन टाइट

भारत का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से 5 मैचों की टी-20 सीरीज के साथ शुरू होगा। इसके बाद 24 अक्टूबर से इंडिया-ए के तीन 4-दिवसीय मैच होंगे, जिनका शेड्यूल 5 मैचों की वनडे सीरीज से ओवरलैप करेगा। सबसे बड़ी चिंता यह है कि आखिरी वनडे और पहले टेस्ट के बीच सिर्फ 4 दिन का अंतर है। ऐसे में टेस्ट खिलाड़ियों को रेड-बॉल क्रिकेट की पर्याप्त तैयारी का समय मिलना मुश्किल है।

गिल-गंभीर चाहते हैं 10-14 दिन की तैयारी

कप्तान शुभमन गिल और हेड कोच गौतम गंभीर बड़ी टेस्ट सीरीज से पहले 10 से 14 दिन की तैयारी चाहते हैं। हालांकि, मौजूदा शेड्यूल में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले इतना समय मिलना मुश्किल नजर आ रहा है।

वनडे और टेस्ट के बीच संतुलन की चुनौती

अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को देखते हुए टीम मैनेजमेंट साउथ अफ्रीका की परिस्थितियों में मुख्य वनडे खिलाड़ियों को ज्यादा मैच खिलाना चाहता है। वहीं, WTC फाइनल की रेस के लिए आगामी टेस्ट सीरीज भी बेहद अहम हैं।

इसी वजह से मुख्य टेस्ट खिलाड़ियों को तीसरे वनडे के बाद रिलीज करने की योजना है, ताकि वे टेस्ट की तैयारी कर सकें। कुछ खिलाड़ियों को वनडे सीरीज से पहले इंडिया-ए के रेड-बॉल मैचों में भी मौका दिया जा सकता है।

शेड्यूल को लेकर तालमेल पर सवाल

सूत्रों के मुताबिक, इस बार सीजन का शेड्यूल तय करते समय भारतीय टीम मैनेजमेंट को पर्याप्त रूप से शामिल नहीं किया गया। आमतौर पर BCCI की ऑपरेशंस टीम, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस , टीम मैनेजमेंट और सेलेक्टर्स मिलकर कार्यक्रम तय करते हैं। श्रीलंका दौरे के दौरान हालांकि गिल की मांग पर टेस्ट सीरीज से पहले टीम को तैयारी के लिए पर्याप्त समय दिया गया था। अब चुनौती WTC के साथ घरेलू और लिमिटेड ओवर्स के व्यस्त शेड्यूल के बीच टेस्ट तैयारियों को संतुलित करने की है।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स में 500 अंकों की गिरावट:76,400 पर कारोबार कर रहा, निफ्टी भी 200 अंक नीचे; ईरान पर अमेरिकी हमले का असर

शेयर बाजार में आज यानी 2 सितंबर को गिरावट है। सेंसेक्स 500 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ 76,400 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी भी करीब 200 अंक नीचे है, ये 23,850 पर कारोबार कर रहा है। ऑटो, IT, मीडिया और रियल्टी शेयर्स में ज्यादा गिरावट है।

एक सितंबर को सेंसेक्स 13 अंक की गिरावट के साथ 76,944 पर बंद हुआ था। यह 76,471 पर ओपन हुआ और कुछ मिनट में ही क्रैश होकर 76,135 के लेवल पर आ गया। बाद में थोड़ी रिकवरी की। निफ्टी भी मंगलवार को 25 अंक की गिरावट के साथ 24,056 पर बंद हुआ था। यह आज 23,858 के स्तर पर खुला और कुछ ही देर में 23,804 में आ गया।

दीपा ज्वेलर्स के IPO का आज दूसरा दिन है। निवेशक इसमें 3 सितंबर तक बोली लगा सकेंगे। इसमें मिनिमम 14,868 रुपए लगाने होंगे। कंपनी इस IPO के जरिए 459.72 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इससे पहले कल यानी 1 सितंबर को शेयर बाजार में मामूली गिरावट रही थी। सेंसेक्स 13 अंक और निफ्टी 25 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ था।

चांदी 2 दिन में 9000, सोना 4500 सस्ताः कच्चे तेल की कीमत में तेजी और पीएम मोदी की सोना न खरीदने की अपील का असर

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 2 सितंबर को फिर गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,855 रुपए गिरकर 1.51 लाख रुपए हो गई है।

एक किलो चांदी की कीमत आज 2,059 रुपए गिरकर 2.28 लाख रुपए पर आ गई है। पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के बाद 2 दिन में ही चांदी करीब 9,000 और सोना 4,500 रुपए सस्ता हो चुका है। कल सोना 2,652 रुपए और चांदी 6,780 रुपए सस्ती हुई थी।

मार्केट एक्सपर्ट अनुज गुप्ता के अनुसार पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के चलते सोने की कीमत पर दबाव देखने को मिल रहा है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमत में तेजी के कारण भी सोने और चांदी में गिरावट आई है।

अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के एक द्वीप पर हमला किया है। ईरान ने भी जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 24 हजार रुपए सस्ता हो चुका है।

वहीं, चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.28 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक चांदी 1.58 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

श्वेत घोड़े के जोड़े का उपयोग घर के विभिन्न हिस्सों में सुख, समृद्धि, शांति और सफलता को लाने के लिए किया जाता है। यह विद्युतीय ऊर्जा को संतुलित करके आपके घर में सकारात्मकता को बढ़ाने का कारण बनते हैं। श्वेत घोड़े के जोड़े का उपयोग पशु स्थल, कार्यालय या व्यापार स्थान, औद्योगिक कार्यालय, परिवार क्षेत्र में किया जा सकता है।

ध्यान दें कि ये उपाय वास्तु शास्त्र की परंपरा के अनुसार हैं, और इनका व्यापारिक आधार नहीं है। इसलिए, कृपया एक वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करें और आवश्यकतानुसार उपाय करें।

www.vastuguruji.com RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

अनाहत-रमित लंदन स्क्वॉश क्लासिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में:11 मिनट में जीतीं अनाहत; वीर चोतरानी को स्विट्जरलैंड के खिलाड़ी ने हराया

लंदन में खेले जा रहे लंदन स्क्वॉश क्लासिक में भारत की अनाहत सिंह और रमित टंडन प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 30वें नंबर की मरियम मेटवाली को सिर्फ 11 मिनट में 11-3, 11-2 से हराया।

वहीं, 42वें नंबर के रमित ने कतर के 61वें नंबर के अब्दुल्ला अल-तमीमी को 20 मिनट में 11-6, 11-7 से मात दी। हालांकि, 38वें नंबर के वीर चोतरानी को स्विट्जरलैंड के यैनिक विल्हेमी के खिलाफ 9-11, 9-11 से हार मिली।

अनाहत ने मरियम मेटवाली के खिलाफ शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। उन्होंने पहला गेम 11-3 से जीता और दूसरे गेम में सिर्फ दो अंक गंवाते हुए 11-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच खत्म करने में उन्हें केवल 11 मिनट लगे।

अब प्री-क्वार्टर फाइनल में अनाहत का सामना बेल्जियम की दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी नेले गिलिस से होगा। यह मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा।अनाहत ने हाल ही में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब जीतकर इतिहास रचा था। वह यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनी थीं।

पुरुष एकल में रमित टंडन ने अब्दुल्ला अल-तमीमी को 11-6, 11-7 से हराया। 20 मिनट चले मुकाबले में रमित ने दोनों गेम अपने नाम किए और अगले दौर में जगह बनाई।

प्री-क्वार्टर फाइनल में रमित का सामना टूर्नामेंट के आठवीं वरीयता प्राप्त मोहम्मद एलशोरबागी से होगा। मिस्र में जन्मे एलशोरबागी अब इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह मुकाबला बुधवार को खेला जाएगा।

भारत के वीर चोतरानी को पहले दौर में दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी यैनिक विल्हेमी ने 11-9, 11-9 से हराया। दोनों गेम में मुकाबला करीबी रहा, लेकिन स्विट्जरलैंड के खिलाड़ी ने दोनों गेम में 11 अंक पूरे कर मैच जीत लिया।

अनाहत और वीर दोनों आगामी एशियन गेम्स के लिए भारत के स्क्वैश दल का हिस्सा हैं। एशियन गेम्स जापान के आइची-नागोया में होंगे।

टीम इंडिया के प्रदर्शन पर BCCI की समीक्षा बैठक आज:गंभीर, अगरकर और लक्ष्मण मुंबई बुलाए गए

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद BCCI ने समीक्षा बैठक बुलाई है। हेड कोच गौतम गंभीर, चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड वीवीएस लक्ष्मण गुरुवार बैठक में शामिल होंगे। यह मीटिंग मुंबई स्थित बोर्ड मुख्यालय में होगी।

इसमें विदेशी दौरों पर टीम के प्रदर्शन की समीक्षा के साथ 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। खिलाड़ियों की इंजरी, IPL के वर्कलोड और टीम मैनेजमेंट, ष्टश्व और चयन समिति के बीच कम्यूनिकेशन भी बैठक के अहम मुद्दे होंगे।

भारत को जून में आयरलैंड के खिलाफ 2 मैचों की टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में 0-2 से हार मिली थी। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद यह भारत की करीब 3 साल में 16 सीरीज के बाद पहली टी-20 सीरीज हार थी।

इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टी-20 सीरीज में भारत 0-4 से हार गया। नॉटिंघम में टीम को 125 रन से हार मिली थी। वनडे सीरीज में भारत ने पहला मैच जीता, लेकिन सीरीज 1-2 से गंवा दी। BCCI सचिव देवाजीत सैकिया ने इन नतीजों के बाद टीम के प्रदर्शन की समीक्षा की बात कही थी। अब यह बैठक बुलाई गई है। बैठक में खिलाड़ियों की इंजरी और CoE की भूमिका पर भी चर्चा होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, खिलाड़ियों, CoE और सिलेक्शन कमेटी के बीच कम्यूनिकेशन को लेकर सवाल उठे हैं। एक मामले में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के फिट नहीं होने की जानकारी चयन समिति को समय पर नहीं मिली थी।

साउथ अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को 43 रन से हराया : टी-20 ट्राई सीरीज में फाइनल के करीब पहुंचा; प्रीटोरियस ने 94 रन बनाए

साउथ अफ्रीका ने नामीबिया टी-20 ट्राई सीरीज के चौथे मुकाबले में जिम्बाब्वे को 43 रन से हरा दिया। इसके साथ ही टीम फाइनल के करीब पहुंच गई। अफ्रीका तीन मैचों में 4 पॉइंट्स के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है।

नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। लुआन-ड्रे प्रिटोरियस के 94 रनों की मदद से टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 185 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 17.4 ओवर में 142 रन पर ऑलआउट हो गई।

प्रिटोरियस-ब्रेविस ने 86 रन की पार्टनरशिप की

ओपनर लुआन-ड्रे प्रिटोरियस ने सिर्फ 51 गेंद पर 94 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके और 3 छक्के लगाए। प्रिटोरियस ने डेवाल्ड ब्रेविस के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी की। जिम्बाब्वे की ओर से वेस्ली मधेवेरे सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

जिम्बाब्वे ने 66 रन पर 8 विकेट गंवाए

जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 10वें ओवर तक 66 रन पर 8 विकेट गंवा दिए थे। कप्तान सिकंदर रजा ने सबसे ज्यादा 45 रन की पारी खेली। उनके अलावा न्यूमैन न्यामहुरी ने 27, इनोसेंट काया ने 18 और ब्रायन बेनेट ने 11 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की ओर से कप्तान ब्योर्न फोर्टुइन ने 24 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं डुआन यान्सन ने 3 विकेट हासिल किए। सीरीज के तीन मुकाबले बाकी हैं। गुरुवार को जिम्बाब्वे का सामना मेजबान नामीबिया से होगा, जबकि शुक्रवार को साउथ अफ्रीका और नामीबिया के बीच मुकाबला होगा।

जापान क्रिकेट का बयान-टीमें खुद होटल बुक कर सकती हैं: BCCI सुविधाओं से नाखुश था, एशियन गेम्स 19 सितंबर से होगा

जापान क्रिकेट एसोसिएशन ने एशियन गेम्स में क्रिकेटर्स के ठहरने को लेकर उपजे विवाद पर कहा है कि टीमें अगर चाहें तो अपने ठहरने के लिए खुद होटल का इंतजाम कर सकती हैं।

गेम्स में हिस्सा लेने वाली कई टीमों के बोर्ड ने होटल की सुविधाओं पर सवाल उठाए थे। इनमें BCCI और PCB शामिल थे।

एशियन गेम्स का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच जापान के आइची और नागोया शहर में होना है।

विमेंस क्रिकेट के मुकाबले 17 सितंबर से शुरू होंगे। जबकि, पुरुष टीम 28 सितंबर को सीधे क्वार्टरफाइनल में अपना पहला मुकाबला खेलेगी।

मियाजी बोले- कई खिलाड़ी कंटेनर होटल में रुक रहे

JCA के CEO नाओकी एलेक्स मियाजी ने बताया कि एशियन क्रिकेट काउंसिल और आयोजन समिति इस मसले पर बातचीत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- 'हमने क्रिकेट टीम को होटल का विकल्प दिया है। जबकि कई अन्य खेलों के खिलाड़ियों के लिए क्रूज शिप या कंटेनर होटल जैसी सीमित सुविधाएं हैं।' मियाजी ने कहा...

प्लेयर एरिया में टॉयलेट की सुविधा उपलब्ध रहेगी। मैदान पर बने ड्रेसिंग रूम भले ही अस्थाई हों, लेकिन इन्हें इस तरह तैयार किया गया है कि खिलाड़ियों और अधिकारियों को पूरा आराम मिले।

पिच और आउटफील्ड कम समय में सीमित संसाधनों के बीच तैयार की गई है। यह एशियन गेम्स के इतिहास में क्रिकेट की सबसे बेहतरीन प्लेइंग सरफेस होगी। श्रीलंकाई क्यूरेटर्स की मदद से यहां टर्फ और हाइब्रिड पिच तैयार की जा रही है।

होटल के छोटे रूमखिलाड़ियों के ठहरने के लिए होटल के कमरे बहुत बेहद छोटे हैं। बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि कमरे इतने तंग हैं कि अगर दो खिलाड़ी अपना भारी-भरकम किट बैग खोल लें तो चलने या खड़े होने तक की जगह नहीं बचती।

स्टेडियम 20 किमी दूरस्टेडियम के पास के फाइव स्टार होटल पहले से बुक होने के कारण क्रिकेटर्स को 20 किलोमीटर दूर ठहराया जा रहा है। इससे ट्रैवल टाइम और थकान की समस्या है। इस बार एशियन गेम्स में खिलाड़ियों के लिए कोई अलग स्पोर्ट्स विलेज नहीं बनाया गया है।

बेसबॉल स्टेडियम को क्रिकेट मैदान बनायामैचों के लिए 'कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क' को सिलेक्ट किया गया है, जो पहले बेसबॉल स्टेडियम था। इसे हाल ही में क्रिकेट स्टेडियम में बदला गया है। पिच और आउटफील्ड अब तक इंटरनेशनल लेवल पर सही तरीके से टेस्ट नहीं हुई है।

टेंट में ड्रेसिंग रूम, वॉशरुम 500 मीटर दूरड्रेसिंग रूम पक्के मकान की बजाय टेंट में बनाए गए हैं। यहां से वॉशरुम 500 मीटर दूर है, जिससे खिलाड़ियों को असुविधा हो रही है।

क्रिकेट का खेल एक सदी से भी ज्यादा समय के बाद रु 2028 में ओलिंपिक में वापसी करने वाला है। इससे पहले पेरिस 1900 में क्रिकेट सिर्फ एक ही बार खेला गया था। जब ग्रेट ब्रिटेन ने टेस्ट मैच में फ्रांस को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

48 वर्षीय महिला की अम्बेडकर अस्पताल में सफल बाईपास सर्जरी

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग में बिहार के मधुबनी जिले की 48 वर्षीय महिला की सफल कोरोनरी आर्टरी बाईपास सर्जरी की गई। मरीज के हृदय की तीनों प्रमुख कोरोनरी धमनियों में गंभीर ब्लॉकेज था, जिसे चिकित्सकीय भाषा में ट्रिपल वेसल डिजीज कहा जाता है। साथ ही मरीज के हृदय की पंपिंग क्षमता लगभग 40 प्रतिशत थी।

विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ. कृष्णकांत साहू एवं उनकी टीम ने मरीज की बीटिंग हार्ट कोरोनरी आर्टरी बाईपास सर्जरी सफलतापूर्वक की। इस सर्जरी में बाईपास के लिए मैमरी आर्टरी का उपयोग किया गया। सामान्यत: आर्टेरियल ग्राफ्ट को लंबे समय तक प्रभावी रहने वाला ग्राफ्ट माना जाता है।

सीने की हड्डी को खोलकर गोल्ड स्टैंडर्ड तकनीक से सर्जरी

मरीज की सर्जरी मिडलाइन स्टर्नोटोमी (स्द्बस्त्रद्यद्वठ्ठद्द स्ह्लद्दह्ठ्ठश्चह्लश्चद्व4) तकनीक से की गई। इसमें सीने की मध्य हड्डी यानी स्टर्नम को सावधानीपूर्वक खोलकर हृदय तक पहुंच बनाई जाती है। कोरोनरी बाईपास सर्जरी में यह एक स्थापित एवं विश्वसनीय ऑपरेटिव तकनीक है, जिसे गोल्ड स्टैंडर्ड तकनीक के रूप में जाना जाता है।

सर्जरी के बाद मरीज की रिकवरी भी अच्छी रही। ऑपरेशन के दिन ही होश में आने के बाद मरीज ने शाम को हल्का नाश्ता किया और ऑपरेशन के दूसरे दिन से ही चलना-फिरना शुरू कर दिया। अब मरीज पूरी तरह स्वस्थ है और उसे अस्पताल से डिस्चार्ज किया जा रहा है।

मधुबनी से दरभंगा और फिर रायपुर पहुंची मरीज

मरीज ने बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले उन्हें पहली बार सीने में दर्द हुआ था। उन्होंने मधुबनी के एक अस्पताल में चिकित्सकीय परामर्श लिया, लेकिन वहां हृदय संबंधी विशेषज्ञ सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें गैस एवं एसिडिटी की दवाएं देकर घर भेज दिया गया। कुछ दिनों बाद दोबारा सीने में दर्द होने पर परिजन उन्हें दरभंगा के एक बड़े अस्पताल में ले गए। वहां एंजियोग्राफी कराने पर पता चला कि हृदय की तीनों प्रमुख नसों में ब्लॉकेज है और डॉक्टरों ने उन्हें बाईपास सर्जरी कराने की सलाह दी।

परिजन पहले पटना में सर्जरी कराने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान रायपुर में रहने वाले उनके एक रिश्तेदार ने उन्हें अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट सर्जरी विभाग के बारे में जानकारी दी। इसके बाद परिजन एंजियोग्राफी की सीडी लेकर अम्बेडकर अस्पताल पहुंचे और डॉ. कृष्णकांत साहू से परामर्श लिया। डॉ. साहू ने बताया कि मरीज की बाईपास सर्जरी यहां संभव है, लेकिन चूंकि मरीज बिहार की निवासी हैं, इसलिए बिहार के आयुष्मान कार्ड के आधार पर छत्तीसगढ़ में सर्जरी का लाभ मिल सकेगा या नहीं, इसकी जानकारी लेना आवश्यक था। आयुष्मान योजना कार्यालय से जानकारी लेने पर पुष्टि हुई कि बिहार के आयुष्मान कार्ड के आधार पर भी मरीज की सर्जरी अम्बेडकर अस्पताल में की जा सकती है। इसके बाद मरीज को भर्ती कर उपचार शुरू किया गया।

ब्लड शुगर था 500 द्वद्द/स्त्ररु से अधिक, पहले किया गया नियंत्रित

मरीज के उपचार में सबसे बड़ी चुनौती उनका अत्यधिक अनियंत्रित ब्लड शुगर था। अस्पताल में भर्ती किए जाने के समय उनका ब्लड शुगर 500 द्वद्द/स्त्ररु से भी अधिक था। ऐसी स्थिति में तत्काल बाईपास सर्जरी करना जोखिमपूर्ण हो सकता था। चिकित्सकीय टीम ने पहले मरीज के ब्लड शुगर को नियंत्रित किया और उनकी स्थिति को सर्जरी के लिए उपयुक्त बनाने के बाद ही बाईपास सर्जरी की।

डॉ. कृष्णकांत साहू ने बताया कि सामान्यत: पुरुषों की तुलना में महिलाओं में कोरोनरी आर्टरी डिजीज (ष्ठ्ठ) का जोखिम कम माना जाता है और महिलाओं में यह बीमारी प्राय: अधिक उम्र में सामने आती है। हालांकि, अनियंत्रित मधुमेह, मोटापा, तंबाकू का किसी भी रूप में सेवन, पारिवारिक इतिहास, बढ़ता वजन, निष्क्रिय जीवनशैली और अस्वास्थ्यकर खान-पान जैसी स्थितियां महिलाओं में कम उम्र में भी हृदय रोग का खतरा बढ़ा सकती हैं।

जनऔषधि केंद्र में 50 से 90 प्रतिशत तक कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध

रायगढ़। जिले में संचालित प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्रों में आम नागरिकों को किफायती दर पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराया जा रहा है। इन केंद्रों में ब्रांडेड दवाओं की तुलना में कई दवाएं लगभग 50 से 90 प्रतिशत तक कम कीमत पर उपलब्ध होती हैं। इससे उपचार पर होने वाले खर्च को कम करने में मरीजों और उनके परिजनों को आर्थिक राहत मिल रही है। इन केंद्रों पर विभिन्न प्रकार की आवश्यक जेनेरिक दवाओं के साथ सर्जिकल एवं अन्य चिकित्सा संबंधी उत्पाद भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। किफायती दर पर गुणवत्तापूर्ण दवाओं की उपलब्धता से आम नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ हो रही हैं।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिजीत बबन पठारे ने मेडिकल कॉलेज परिसर में संचालित प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध दवाइयों की संख्या, बिक्री तथा मरीजों को जनऔषधि की सुविधा सहज एवं सुगम रूप से उपलब्ध कराने की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री पठारे ने केंद्र में आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को उनकी जरूरत की दवाएं समय पर और आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने दवाओं की उपलब्धता एवं बिक्री की नियमित निगरानी करने तथा मरीजों को जनऔषधि केंद्र की सुविधा का अधिक से अधिक लाभ दिलाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनदर्शन में मिले 25 आवेदन, कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने कहा-हर प्रकरण का समय-सीमा में हो समाधान

कोरिया। कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। कलेक्टर ने आवेदकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का परीक्षण कर नियमानुसार एवं निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में 25 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें वन अधिकार पट्टा, अवैध कब्जा हटाने, सड़क निर्माण एवं दुरुस्तीकरण, अभिलेखों में त्रुटि सुधार, रिकॉर्ड दुरुस्ती सहित विभिन्न जनहित से जुड़े आवेदन शामिल रहे।

कलेक्टर श्रीमती यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों को गंभीरता, संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ लिया जाए। पात्र हितग्राहियों को शासन के प्रावधानों के अनुरूप शीघ्र लाभ एवं राहत उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए तथा प्रत्येक प्रकरण की प्रगति की निगरानी करते हुए निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनदर्शन आम नागरिकों की समस्याओं को सीधे प्रशासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए प्राप्त आवेदनों पर सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जनदर्शन में सीईओ जिला पंचायत योगेन्द्र श्रीवास, एडीएम सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य, अपर कलेक्टर श्री डीडी मण्डावी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जन्माष्टमी-गणेश उत्सव को लेकर प्रशासन अलर्ट, कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

एमसीबी। आगामी कृष्ण जन्माष्टमी एवं गणेश चतुर्थी पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े एवं पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था, यातायात, सुरक्षा, पंडाल, विसर्जन, विद्युत, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

स्कूलों के आसपास दुकानों पर होगी विशेष कार्रवाई

बैठक में सुप्रीम कोर्ट एवं हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप स्कूलों के आसपास संचालित दुकानों पर विशेष कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। संबंधित दुकानदारों को नोटिस जारी करने तथा नियमों का पालन नहीं करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए 20 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। चिरमिरी, हल्दीबाड़ी सहित मनेंद्रगढ़ एवं खड़गवां क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर डिप्टी कलेक्टर एवं पुलिस विभाग को संयुक्त कार्रवाई करने कहा गया।

रैली और पंडाल के लिए अनुमति जरूरी

कृष्ण जन्माष्टमी एवं गणेश चतुर्थी के दौरान रैली निकालने के लिए संबंधित एसडीएम एवं पुलिस विभाग से अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है। अनुमति देते समय प्रमुख मार्गों एवं यातायात व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने तथा प्राप्त आवेदनों की जानकारी प्रशासन एवं पुलिस को देने के निर्देश दिए गए। गणेश पंडाल लगाने वाली समितियों एवं आयोजकों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश देने कहा गया। सड़क पर पंडाल लगाकर यातायात बाधित नहीं करने तथा पंडालों में पर्याप्त स्वयंसेवकों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। समितियों द्वारा पुलिस को स्वयंसेवकों की सहायता उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। विद्युत तारों से दुर्घटना रोकने के लिए विशेष सावधानी बरतने कहा गया। सभी पूजा पंडालों एवं आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य किया गया है। गणेश उत्सव में मिट्टी की प्रतिमा स्थापित करने के निर्देश दिए गए। विसर्जन के लिए रूट चार्ट एवं पार्किंग स्थल निर्धारित करने तथा समितियों को विसर्जन स्थल और रूट की जानकारी संबंधित थाना प्रभारी को देने कहा गया।

सुरक्षा व्यवस्था रहेगी चाक-चौबंद

पुलिस विभाग को मंदिरों, मस्जिदों, गणेश पंडालों, संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों तथा विसर्जन स्थलों पर पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात करने के निर्देश दिए गए। पंडालों में महिलाओं के आभूषण एवं सामान की चोरी की आशंका को देखते हुए समितियों एवं स्वयंसेवकों से लगातार अनाउंसमेंट कर लोगों को अपने सामान की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने कहा गया।

बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर कार्रवाई

ड्रोन संचालन पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। ड्रोन उड़ाने के लिए अनुमति लेना आवश्यक होगा तथा लाइसेंसधारी एवं अधिकृत व्यक्ति को ही ड्रोन संचालन की अनुमति दी जाएगी। बिना अनुमति या अनाड़ी तरीके से ड्रोन उड़ाते पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करने कहा गया।

हाईवे और यातायात पर विशेष निगरानी

मनेंद्रगढ़ से नागपुर तक हाईवे पेट्रोलिंग बढ़ाने तथा ढाबा संचालकों द्वारा पार्किंग व्यवस्था नहीं किए जाने पर नोटिस एवं चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। यातायात कार्रवाई की हर घंटे की औसत रिपोर्ट प्रस्तुत करने कहा गया, जिससे दुर्घटनाओं एवं यातायात घटनाओं की स्थिति का आकलन हो सके।

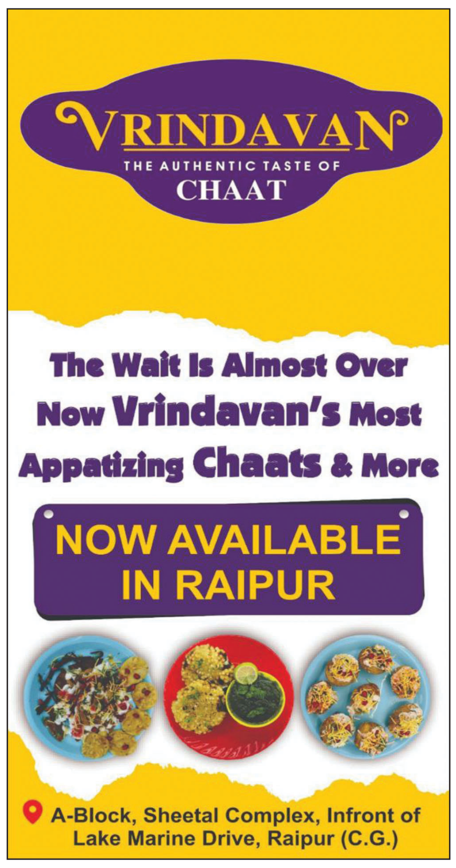

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684